www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, बुधवार
16 सितम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 131 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

अयोध्या राम मंदिर में होगी स्नाइपरों की तैनाती

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सरकार ने अयोध्या के श्रीराम मंदिर समेत हाईकोर्ट, लोकभवन, रीजनल रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम व मेट्रो स्टेशनों जैसे संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा को और अधिक पुख्ता करने का निर्णय लिया है। इसके लिए स्नाइपरों की

तैनाती की जाएगी। शासन ने नए सुरक्षा प्लान के तहत तीन स्नाइपर राइफल खरीदने को मंजूरी दी है। एक रायफल की कीमत 10.76 लाख रुपये है। उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल और प्रशिक्षित स्नाइपर्स को राम मंदिर परिसर में तैनात किया जाएगा। साथ ही निगरानी के लिए 14 टेलीस्कोपिक सर्च मिरर भी खरीदे जाएंगे। इसके साथ ही राज्य सरकार ने जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों को दिए गए पुराने हथियारों को बदलने का भी फैसला किया है। सांसदों व विधायकों की सुरक्षा में तैनात महिला वाहिनियों को स्वचलित असलहे देने का निर्णय लिया गया है।

गुरुग्राम में लेडी बाइकर को टक्कर मारने वाला गिरफ्तार

पलवल/गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम में लेडी बाइकर को कार से टक्कर मारने के मामले में पुलिस ने आरोपी कल्याण बैंसला को गिरफ्तार कर लिया है। उसे एक दोस्त लवनीश के साथ राजस्थान के दौसा से पकड़ा गया है। दौसा पुलिस ने इसकी पुष्टि की। पुलिस ने उसके खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा बीएनएस 109 भी जोड़ी है। पहले सेक्टर-56 थाने

में लापरवाही से गाड़ी चलाने के लिए बीएनएस 281 और चोट पहुंचाने के आरोप में बीएनएस 125 के तहत केस दर्ज किया गया था। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने कार चलाने वाले कल्याण बैंसला के दो दोस्त निंदर और प्रमोद को हिरासत में लिया है। निंदर हादसे वाले दिन 13 सितंबर को कल्याण को पलवल से लेकर आया था, जबकि प्रमोद पर उसे गांव से भगाने का आरोप है। कार की टक्कर से सड़क पर गिरी लेडी बाइकर शिवानी चौहान उर्फ सिया दिल्ली की रहने वाली हैं। शिवानी ने फैशन डिजाइनिंग का कोर्स किया है। वह साल 2022 में कालकाजी से चुनाव भी लड़ चुकी हैं।

संजय झा के नए पैंतरे ने बिहार में किया 'खेला'

पटना (एजेंसी)। एनडीए की राजनीति में इन दिनों मतभेद के जरिए कुछ अलग दिखने की कवायद बड़ी गंभीरता के साथ की जा रही है। इसमें एनडीए के छोटे दल तो हैं हीं, बड़े दल भी शामिल हो गए हैं। सबसे दिलचस्प तो ये है कि जदयू के कार्यकारी

राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा एंड टीम मतभेद खड़ा करने की नई-नई वजह तैयार करने में लगी हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जैसे ही वर्ष 2029 तक सभी राज्यों (समान नागरिक संहिता) यूसीसी लागू करने की घोषणा की, लालू स्कूल के प्रोडक्ट जदयू नेताओं में खलबली मच गई। पूर्व मंत्री श्याम रजक ने कहा कि उनकी पार्टी ने संसद में यूसीसी बिल का समर्थन किया था, लेकिन तभी ये साफ कर दिया था कि इसे अपने राज्य (बिहार) में लागू नहीं किया जाएगा।

शुभेंदु अधिकारी के पीए की मां नंदीग्राम से उम्मीदवार

कोलकाता (एजेंसी)। भाजपा ने पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने नंदीग्राम से हसीरानी रथ और रेजीनगर से शाश्वर सरकार को टिकट दिया है। हसीरानी रथ सीएम शुभेंदु अधिकारी के पीए

चंद्रनाथ रथ की मां हैं। 6 मई की देर रात मध्यमग्राम के पास चंद्रनाथ को गोली मार दी गई थी। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उनकी मौत हो गई। इस साल अप्रैल-मई में हुए बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 207 सीटें जीती थीं। तृणमूल कांग्रेस को 80 और कांग्रेस को 2 सीटें मिली थीं। इन नतीजों के बाद ममता बनर्जी 15 साल बाद सत्ता से बाहर हो गईं। उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुट भी आमने-सामने हैं। ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट ने नंदीग्राम से मोहम्मद एतेशामुल हक और रेजीनगर से सफीउज्जमान शेख को मैदान में उतारा है। वहीं ममता वाले गुट ने संचिता प्रधान डे को।

भारतीय एजेंसियों को रिपोर्ट करेगा, सरकार से बातचीत के बाद रजामंदी

बच्चों से जुड़े यौन शोषण के सभी मामलों की जानकारी देगा मेटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेक कंपनी मेटा ने बच्चों के यौन शोषण और उनकी सुरक्षा से जुड़े दूसरे मामलों की जानकारी देने पर सहमति जताई है। यह जानकारी संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को दी जाएगी। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह सहमति केंद्र सरकार और मेटा की ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर हानिकारक कंटेंट

पर रोक लगाने को लेकर जारी बातचीत में बनी है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि भारत में काम करने वाले किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा जरूरी है। इस मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता। सरकार ने यह भी साफ किया है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए खुद से जरूरी कदम नहीं उठाने वाले प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से बातचीत जारी

सरकार दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के साथ भी बातचीत कर रही है। इन प्लेटफार्म्स और ऑनलाइन इंटरमीडियरीज से भी बच्चों से जुड़े हानिकारक कंटेंट की पहचान कर उसे हटाने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा जा रहा है। 9 सितंबर को मेटा के प्रतिनिधि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के कार्यालय पहुंचे थे। आयोग ने कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और मेटाके प्रमुख को चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लॉइटेशन एंड एब्यूज मटेरियल से जुड़े कथित विज्ञापनों की जांच के सिलसिले में तलब किया था। मेटा ने 3 जुलाई 2026 को एक मीडिया रिपोर्ट का स्वत: संज्ञान लिया था। रिपोर्ट में मेटा के स्वामित्व वाले प्लेटफॉर्म्स पर कंपनी से जुड़े कथित विज्ञापनों का जिक्र था।

दुकान में घुसकर युवक की गोली मारकर हत्या

हरिद्वार। बहादराबाद थाना क्षेत्र के शांतरशाह गांव में सोमवार देर शाम मोटरसाइकिल रिपेयरिंग की दुकान में घुसकर एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों नकाबपोश हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस ने हमलावरों की तलाश में जिलेभर में चेकिंग अभियान शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार, ग्राम शांतरशाह निवासी हैप्पी पुत्र राजकुमार (25) मोटरसाइकिल रिपेयरिंग की दुकान चलाता था। सोमवार शाम करीब 7:10 बजे दो अज्ञात युवक उसकी दुकान पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि दोनों ने अपने चेहरे सफेद कपड़े से ढके हुए थे। आरोप है कि दुकान के अंदर ही हमलावरों ने हैप्पी को गोली मार दी और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। परिजन और स्थानीय लोग घायल हैप्पी को उपचार के लिए सूर्य देव अस्पताल, शांतरशाह ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बहादराबाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए उप जिला चिकित्सालय, रुड़की भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी हरिद्वार ने पुलिस अधिकारियों के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। एसएसपी ने हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए जिलेभर में सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। पुलिस विभिन्न स्थानों पर वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच करने के साथ ही हमलावरों की तलाश में जुटी है। फिलहाल हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है और हमलावरों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही हत्या के कारणों और वारदात से जुड़े अन्य तथ्यों का खुलासा हो सकेगा।

2,000 तक यूपीआई पेमेंट पर नहीं लगेगा चार्ज

- मोदी सरकार का आदेश, देश में 55 करोड़ यूजर हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीआई से 2,000 तक पेमेंट करने पर ग्राहक से किसी तरह की फीस नहीं ली जा सकती। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को नोटिफिकेशन जारी कर यह स्थिति साफ कर दी। अब 2,000 तक के यूपीआई पेमेंट पर बैंक या पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर कोई डायरेक्ट या इनडायरेक्ट चार्ज नहीं लगा सकेंगे। रूपे डेबिट कार्ड से होने वाले पेमेंट को भी इस छूट में शामिल किया गया है। दरअसल, अगस्त में संसद से टैक्सेशन एंड अदर लॉज (अमेंडमेंट) एक्ट, 2026 पास होने के बाद यूपीआई पेमेंट पर चार्ज को लेकर चर्चा शुरू हुई थी। आशंका थी कि 2,000 से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर एमडीआर यानी मर्चेंट डिस्काउंट रेट लगाया जा सकता है। इससे बड़े पेमेंट लेने वाले दुकानदारों और कारोबारियों की लागत बढ़ सकती थी।

जांच के दायरे से बाहर नहीं रह सकती न्यायपालिका

सीजेआई सूर्यकांत बोले-जवाबदेही के लिए आलोचना भी जरूरी

जजों के खिलाफ हर शिकायत को वेबसाइट पर नहीं डाल सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को कहा कि लोगों का न्याय व्यवस्था पर भरोसा बनाए रखने के लिए न्यायपालिका को जांच और आलोचना का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में न्यायपालिका के कामकाज की निष्पक्ष और रचनात्मक आलोचना जरूरी है। इससे न्याय व्यवस्था में जवाबदेही बढ़ती है और सुधार का रास्ता खुलता है। सीजेआई ने कहा कि जजों को अपने कार्यकाल के अलग-अलग चरणों में शिकायतों का सामना करना पड़ता है। हालांकि उन्होंने सवाल उठाया कि क्या हर शिकायत को वेबसाइट पर सार्वजनिक कर देना चाहिए।

- हारने वाले के साथ न्याय हो, तब भरोसा बनता है- जनता का भरोसा दोनों पक्षों के न्याय से बनता है: जनता का भरोसा और जनता की पसंद एक ही बात नहीं है। अदालत का फैसला किसी व्यक्ति की इच्छा के मुताबिक होने से ही भरोसा नहीं बनता। भरोसा तब बनता है, जब हारने वाला पक्ष भी यह महसूस करे कि उसके साथ निष्पक्ष प्रक्रिया अपनाई गई। न्यायिक संस्थानों में लगातार निगरानी जरूरी :किसी जिले में अदालत का मौजूद होना पर्याप्त नहीं है। आम नागरिक के लिए न्याय व्यवस्था तक पहुंचना आसान होना चाहिए और उसे यह भरोसा होना चाहिए कि अदालत तक पहुंचना ही उसकी सबसे बड़ी लड़ाई नहीं है।

एनडीए के 3 सहयोगी दलों ने यूसीसी का किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनडीए के 3 सहयोगी दल तेलुगु देशम पार्टी, शिंदे गुट की शिवसेना और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने समान नागरिक संहिता के समर्थन की बात कही है। वहीं, बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) ने कहा कि वह राज्य में यूसीसी लागू नहीं होने देगा। दरअसल, गृह मंत्री अमित शाह ने 13 सितंबर को कहा था कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी-एनडीए शासित 21 राज्यों में यूसीसी लागू कर दिया जाएगा। फिलहाल देश में 22 राज्यों में एनडीए की सरकार है। इनमें उत्तराखंड में जनवरी 2025 से यूसीसी लागू है। यानी बाकी 21 राज्यों में इसे लागू करने का लक्ष्य है। गुजरात, असम और मध्य प्रदेश में बिल पास हो चुका है। अब इन राज्यों में राष्ट्रपति की मंजूरी और अधिसूचना जारी होने का इंतजार है। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ ने यूसीसी का कानून तैयार करने के लिए समितियां गठित की हैं।

अक्टूबर में लागू होगा भारत-न्यूजीलैंड व्यापार समझौता !

भारतीय निर्यात पर ड्यूटी नहीं, 15 साल में 1.9 लाख करोड़ निवेश करेगा न्यूजीलैंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट यानी स्नङ्क 19 अक्टूबर से लागू होने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने 15 सितंबर को यह जानकारी दी। दोनों देशों ने 27 अप्रैल को इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसका मकसद वस्तुओं और सेवाओं के कारोबार और निवेश को बढ़ावा देना है। इस समझौते के तहत न्यूजीलैंड ने भारत के 100त्न निर्यात को टैक्स फ्री करने की बात भी कही है। यानी भारत से न्यूजीलैंड पहुंचने वाले सामान पर न्यूजीलैंड कोई इम्पोर्ट ड्यूटी नहीं लेगा।

15 साल में भारत में 20 बिलियन डॉलर का निवेश- दोनों देशों ने निवेश को बढ़ावा देने पर भी सहमति जताई है। एग्रीमेंट के तहत न्यूजीलैंड से अगले 15 साल में भारत में 20 बिलियन डॉलर यानी करीब

?1.9 लाख करोड़ का निवेश आने की उम्मीद है। फिलहाल न्यूजीलैंड, भारत के प्रमुख उत्पादों पर अधिकतम 10त्न तक शुल्क लगाता है। इनमें सिरेमिक, कालीन, ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट शामिल हैं। स्नङ्क लागू होने के बाद इन उत्पादों समेत भारत के सभी निर्यात को न्यूजीलैंड में टैक्स फ्री पहुंच मिलेगी। सर्विस सेक्टर में भारत ने ढ्ढङ्क, शिक्षा, फाइनेंशियल सर्विसेज, कंस्ट्रक्शन और टूरिज्म जैसे हाई-वैल्यू सेक्टरों में बाजार पहुंच हासिल की है। समझौते के तहत ढ्ढङ्क॥, योगा इंस्ट्रक्टर्स, इंडियन शेफ और म्यूजिक टीचर्स के लिए भी रास्ते खुलेंगे। स्नङ्क में एक नया टेम्परेरी एम्प्लॉयमेंट एंट्री वीजा का रास्ता बनाया गया है। इसके तहत हर साल 5,000 भारतीय स्किल्ड प्रोफेशनल्स न्यूजीलैंड में 3 साल तक काम कर सकेंगे। इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर और एजुकेशन सेक्टर में खासतौर पर मौके होंगे। इसके अलावा भारतीय वाइन और स्पिरिट्स को भी न्यूजीलैंड के बाजार में ड्यूटी फ्री एक्सेस मिलेगा।

न्यूजीलैंड को कृषि उत्पादों पर रियायत, डेयरी पर छूट नहीं

एग्रीमेंट में न्यूजीलैंड को भारतीय बाजार में पहुंच देने के लिए भारत ने अपनी 70त्न टैरिफ लाइन्स खोल दी हैं। इसमें सेब, कीवीफ्रूट और मनुका हनी जैसे कृषि उत्पादों पर टैरिफ रियायतें दी गई हैं, लेकिन ये कोटा लिमिट और मिनिमम इम्पोर्ट प्राइस की शर्तों के साथ होंगी। इसके अलावा न्यूजीलैंड को भारत में अपने 54त्न से ज्यादा एक्सपोर्ट पर तुरंत शून्य ड्यूटी मिलेगी। इसमें शीप मीट, ऊन, कोयला और फॉरेस्ट्री प्रोडक्ट्स शामिल हैं। सीफूड, आयरन, स्टील और एल्युमीनियम स्क्रैप पर टैरिफ को अगले 10 सालों में धीरे-धीरे खत्म किया जाएगा। हालांकि, भारत ने अपने घरेलू हितों की रक्षा के लिए डेयरी उत्पादों (दूध, क्रीम, पनीर आदि), प्याज, दालें, चीनी, आर्म्स-अम्युनिशन और कुछ मेटल्स जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को रियायतों की लिस्ट से बाहर रखा है।

137 साल पुराने स्टेशन पर न कभी टिकट खिड़की बनी न ही पैसेंजर सर्विस

जल्द खत्म होगा खूबसूरत भदभदा घाट रेलवे आउटपोस्ट का वजूद

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल और विदिशा के बीच स्थित ऐतिहासिक और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर भदभदा घाट रेलवे आउटपोस्ट अब अपने अस्तित्व के एक नए और अंतिम दौर में पहुंच गया है। भारतीय रेलवे द्वारा झांसी-भोपाल ब्रॉड-गेज लाइन पर ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग सिस्टम स्थापित किए जाने के बाद इस सदी पुराने रेलवे आउटपोस्ट की परिचालन भूमिका हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी।

इस बदलाव के बाद इस सुरम्य रेलवे लैंडमार्क पर तैनात रहने वाले स्टेशन और केबिन स्टाफ की जरूरत भी खत्म हो जाएगी, जो लंबे

समय से रेल प्रेमियों और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहा है।

ब्रिटिश काल से जुड़ा है इतिहास, नहीं होती थी पैसेंजर बुकिंग- भदभदा घाट का यह रेलवे ट्रैक और आउटपोस्ट एक सदी से भी अधिक पुराना है, जिसकी शुरुआत ब्रिटिश शासनकाल के दौरान वर्ष 1889 में हुई थी। आम रेलवे स्टेशनों के विपरीत इस स्थान पर कभी भी यात्रियों के लिए टिकट जारी नहीं किए गए और न ही यहां कोई पैसेंजर सुविधाएं उपलब्ध थीं।

कैसे काम करती थी पुरानी व्यवस्था और क्या बदलेगा

मौजूदा मैनुअल प्रणाली के तहत, स्टेशन मास्टर और केबिन स्टाफ सिग्नलों का संचालन करते थे और पिछली ट्रेन के होम सिग्नल से कम से कम 400 मीटर आगे निकल जाने के बाद ही लाइन क्लियर का सिग्नल देते थे। भोपाल रेलवे डिविजन के पीआरओ नवल अग्रवाल ने पुष्टि की है कि इस प्रोजेक्ट पर काम तेजी से चल रहा है। ब्रिटिश काल में 1889 में शुरू हुआ भदभदा घाट आउटपोस्ट अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध था। भोपाल रेलवे डिविजन द्वारा आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम लगाए जाने से मैनुअल स्टाफ की जरूरत खत्म होगी। इस आउटपोस्ट पर कभी पैसेंजर टिकट काउंटर या यात्री सुविधाएं नहीं थीं, यहां केवल ऑपरेशनल स्टॉप होते थे।

मनोज जरांगे मराठा आरक्षण के लिए जालना से मुंबई रवाना

- आजाद मैदान में प्रदर्शन की परमीशन नहीं, 3 साल में 11वां अनशन

जालना/मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे मनोज जरांगे मंगलवार सुबह मुंबई के लिए रवाना हो गए। हालांकि, मुंबई पुलिस ने उन्हें आजाद मैदान में प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी है। जरांगे पिछले 17 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। ये उनका पिछले तीन साल में 11वां अनशन है। उनकी मांग है कि जिन मराठों के कुनबी जाति से जुड़े वंशावली रिकॉर्ड हैं, उन्हें ओबीसी आरक्षण का लाभ दिया जाए। जरांगे पहले महाराष्ट्र के अ ल ग - अ ल ग

इलाकों से बड़ी संख्या में मराठा लोगों को मुंबई ले जाने वाले थे, लेकिन पुलिस की सख्ती और सुरक्षा व्यवस्था के कारण वे अब 5 से 10 ग्रुप्स के साथ मुंबई जा रहे हैं।

जरांगे बोले- मांग पूरी होने तक वे पीछे नहीं हटेंगे- मुंबई रवाना होते समय जरांगे ने कहा कि उनके लिए मराठा समाज सबसे ऊपर है और आरक्षण की मांग पूरी होने तक वे पीछे नहीं हटेंगे। जरांगे ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस फैसले का हवाला दिया, जिसमें अदालत ने उन्हें मुंबई में प्रदर्शन करने से रोकने से इनकार किया था।

संपादकीय

ऑनलाइन लेन देन पर टैक्स

पिछले एक दशक में भारत में डिजिटल लेनदेन बहुत तेजी से बड़ा है और आज लघु कारोबारी से लेकर बड़े स्तर पर यूपीआई से पेमेंट किया जा रहा है। इधर केंद्र सरकार ने 15 अक्टूबर से एक नई व्यवस्था लागू कर दी है जिसमें यूपीआई से व्यापारिक लेनदेन पर टैक्स वसूला जाएगा। नए नियम के तहत चुनिंदा व्यक्ति से व्यापारी ट्रांजैक्शन में 2000 से अधिक के भुगतान पर 0.4% एमडीआर लागू होगा। वहीं, 75,000 या उससे अधिक के ट्रांजैक्शन पर अधिकतम एमडीआर 300 प्रति लेनदेन निर्धारित किया गया है। हालांकि, 2000 तक के यूपीआई भगतान पर कोई एमडीआर नहीं लगेगा। व्यक्तिगत तौर पर किए जाने वाले यूपीआई पेमेंट टैक्स के दायरे से बाहर रहेंगे। ट्रांजैक्शन भी मुफ्त रहेंगे। भारत में पिछले कुछ वर्षों में यदि किसी तकनीक ने आम लोगों के जीवन में सबसे बड़ा बदलाव किया है तो वह यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) है। एक समय था जब छोटी से छोटी खरीदारी के लिए जेब में नकदी रखना आवश्यक माना जाता था, लेकिन आज मोबाइल फोन और इंटरनेट की मदद से कुछ ही सेकंड में भुगतान हो जाता है। गांवों से लेकर महानगरों तक यूपीआई ने भुगतान की संस्कृति को बदल दिया है। यही कारण है कि जब दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई व्यापारी भुगतानों पर कमीशन लगाए जाने की घोषणा की गई तो इसने आम उपभोक्ताओं, व्यापारियों और डिजिटल अर्थव्यवस्था से जुड़े विशेषज्ञों के बीच नई बहस छेड़ दी। यूपीआई की सबसे बड़ी ताकत इसकी सरलता और निशुल्क सुविधा रही है। लोगों ने बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के डिजिटल भुगतान को अपनाया। छोटे दुकानदारों ने भी बिना किसी बड़ी तकनीकी व्यवस्था के क्यूआर कोड लगाकर भुगतान स्वीकार करना शुरू कर दिया। ऐसे में यदि बड़े यूपीआई भुगतानों पर कमीशन लगाया जाता है तो इसका प्रभाव केवल व्यापारियों तक सीमित नही रहेगा। आर्थिक सिद्धांत कहता है कि व्यापार पर पड़ने वाला अतिरिक्त खर्च अंततः किसी न किसी रूप में उपभोक्ता तक पहुंचता है। यदि दुकानदारों को हर बड़े डिजिटल भुगतान पर शुल्क देना होगा तो वे इसकी भरपाई उत्पादों की कीमत बढ़ाकर या अन्य शुल्क जोड़कर कर सकते हैं। इससे उपभोक्ताओं पर अप्रत्यक्ष आर्थिक बोझ पड़ सकता है। लेकिन क्या शुल्क लगाने का यही सबसे उचित तरीका है? भारत में अभी भी बड़ी संख्या में छोटे व्यापारी और मध्यम वर्गीय उपभोक्ता डिजिटल भुगतान को अपनाने की प्रक्रिया में हैं। यदि उन्हें यह महसूस होने लगे कि डिजिटल भुगतान महंगा पड़ रहा है तो वे फिर से नकद लेन–देन की ओर लौट सकते हैं। सबसे अधिक प्रभावित छोटे व्यापारी होंगे और अब वह 2000 से ऊपर की ऑनलाइन पेमेंट लेने से बचने की कोशिश करेंगे। यदि छोटे व्यापारियों पर वित्तीय दबाव बढ़ता है तो वे डिजिटल भुगतान स्वीकार करने में हिचकिचा सकते हैं। इससे ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में डिजिटल भुगतान के विस्तार की गति प्रभावित हो सकती है।आम जनता और छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त बोझ डालना भी उचित नही होगा। यदि शुल्क लागू करना अपरिहार्य है तो इसके साथ ऐसी व्यवस्था भी होनी चाहिए जिससे छोटे व्यापारियों को राहत मिले और उपभोक्ताओं को अनावश्यक नुकसान न उठाना पड़े। यूपीआई पर कमीशन का मुद्दा केवल शुल्क लगाने या न लगाने का प्रश्न नही है। यह उस दिशा का संकेत है जिसमें भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था आगे बढ़ेगी, लेकिन यदि आम उपभोक्ताओं और छोटे व्यापारियों की चिंताओं को नजरअंदाज किया गया तो यह डिजिटल क्रांति की गति को धीमा भी कर सकता है।

विश्व ओजोन दिवस : पृथ्वी के सुरक्षा कवच का संरक्षण

सुनील कुमार महला

ओजोन परत नीले ग्रह यानी कि हमारी पृथ्वी के लिए एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच है। यह वह परत है जो, सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) किरणों के बड़े हिस्से को अवशोषित कर उन्हें पृथ्वी की सतह तक सीधे पहुंचने से रोकती है। वास्तव में, विशेष रूप से यूवी-बी और यूवी-सी किरणों का अधिकांश भाग ओजोन परत द्वारा अवशोषित कर लिया जाता है। इससे मनुष्यों, पशु-पक्षियों, वनस्पतियों और समस्त जीव-जगत की रक्षा होती है। यदि ये किरणें अधिक मात्रा में पृथ्वी तक पहुंचें तो त्वचा कैंसर, आंखों को नुकसान, कोशिकाओं पर प्रतिकूल प्रभाव, फसलों को क्षति तथा समुद्री खाद्य श्रृंखला पर गंभीर असर पड़ सकता है। इसलिए ओजोन परत का संरक्षण पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

यहां पाठकों को बताता चलूं कि हर वर्ष 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 की थीम है-ह्यशीतित ग्रह के लिए वैश्विक कार्रवाई : मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के किगाली संशोधन के तहत सतत शीतलन के 10 वर्ष पूरे होने का जश्न।ह्व इस थीम का उद्देश्य ओजोन परत के संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा-कुशल शीतलन तकनीकों को बढ़ावा देना है।

बहरहाल, यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि मानव की अनियंत्रित और स्वार्थी गतिविधियों ने कभी जीवनदायिनी ओजोन परत को गंभीर संकट में डाल दिया था। दरअसल, 1980 के दशक में एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर और एरोसोल स्प्रे में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने वाले क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) और हैलोन जैसी गैसें समताप मंडल (स्ट्रैटोस्फियर) में पहुंचकर ओजोन अणुओं को तेजी से नष्ट करने लगीं। इसके परिणामस्वरूप, अंटार्कटिका के ऊपर एक विशाल ह्यओजोन छिद्रह्व विकसित हुआ। समय रहते कदम नहीं उठाए जाते तो सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी (यूवी-बी) किरणों का बढ़ा हुआ प्रभाव त्वचा कैंसर, मोतियाबिंद, फसलों को नुकसान और समुद्री खाद्य श्रृंखला के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता था।

ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले प्रमुख रसायनों में क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी), हैलोन, कार्बन टेट्राक्लोराइड और मिथाइल क्लोरोफॉर्म आदि शामिल हैं। इनका उपयोग पहले रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, अग्निशामक यंत्र और एरोसोल जैसे उत्पादों में होता था। इन रसायनों को नियंत्रित करने के लिए वर्ष 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल अपनाया गया, जिसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में दुनिया के सबसे सफल अंतरराष्ट्रीय समझौतों में माना जाता है। सरल शब्दों में कहें तो मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल का मुख्य उद्देश्य ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों, जैसे क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसीज), के उत्पादन और उपयोग को चरणबद्ध तरीके से कम करना और समाप्त करना है।भारत भी मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। फिर भी ओजोन परत की सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयास जरूरी हैं। यह केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य और पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न है। इसलिए पर्यावरण के अनुकूल शीतलन तकनीकों को अपनाना और ओजोन-क्षयकारी पदार्थों के उपयोग को कम करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।इसके बाद, वर्ष 2016 में किगाली संशोधन अपनाया गया, जिसके तहत हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (एचएफसी) के उपयोग को धीरे-धीरे कम करने का लक्ष्य रखा गया। उल्लेखनीय है कि मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के कड़े अनुपालन से ओजोन-क्षयकारी गैसों के वैश्विक उत्सर्जन में लगभग 99 प्रतिशत तक की कमी आई है। इसके सकारात्मक परिणाम अब आंकड़ों में भी दिखाई दे रहे हैं। नासा और विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के वैज्ञानिक आकलनों के अनुसार, अंटार्कटिक ओजोन छिद्र का अधिकतम आकार अब लगभग 22.8 मिलियन वर्ग किलोमीटर के दायरे में रह गया है, जो वर्ष 2000 के 28.4 मिलियन वर्ग किलोमीटर के रिकॉर्ड स्तर से काफी कम है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि मौजूदा नियमों का सख्ती से पालन जारी रहा तो दुनिया के अधिकांश हिस्सों में ओजोन परत 2040 तक, आर्कटिक में 2045 तक और अंटार्कटिका के ऊपर 2066 तक वर्ष 1980 के ऐतिहासिक स्तर पर लौट सकती है।हालांकि, पर्यावरण को लेकर पूरी तरह निश्चिंत होने का समय अभी नहीं आया है। जंगलों की भीषण आग, अनियंत्रित रॉकेट प्रक्षेपण, अप्रतिबंधित औद्योगिक रसायनों, जैसे डाइक्लोरोमीथेन, और लगातार बढ़ता कार्बन उत्सर्जन नई चुनौतियां पैदा कर रहे हैं। जंगलों की आग से उठने वाला रासायनिक धुआं तथा अंतरिक्ष मलबे के ऊपरी वायुमंडल में जलने से उत्पन्न एरोसोल ओजोन की रिकवरी की गति को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अलावा, तेजी से बढ़ते अंतरिक्ष अभियानों, रॉकेट प्रक्षेपणों और समताप मंडल में उड़ने वाले विमानों से निकलने वाले ब्लैक कार्बन और कालिख को लेकर भी गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

मानसिक स्वास्थ्य की पहली चौखट बनता एआई

डॉ. प्रियंका सौरभ

मसुलभता बढ़ाने की क्षमता के साथ गोपनीयता, गलत सलाह और मानवीय संवेदना की चुनौती...

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों के बीच अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आधारित चैटबॉट लोगों के लिए तेजी से संपर्क का पहला माध्यम बनते जा रहे हैं। अकेलापन, चिंता, तनाव, अवसाद, रिश्तों की उलझन या भावनात्मक संकट के क्षणों में कई लोग पहले किसी चिकित्सक के पास जाने के बजाय एआई से बातचीत करना पसंद कर रहे हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहां मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच अभी भी असमान है, एआई तकनीक एक नई संभावना प्रस्तुत करती है। हालांकि, यह समझना आवश्यक है कि एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने का माध्यम हो सकता है, उनका विकल्प नहीं।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे बड़ी चुनौतियों में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की सीमित उपलब्धता, ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में सेवाओं का अभाव, उपचार की लागत तथा मानसिक बीमारी से जुड़ा सामाजिक कलंक शामिल हैं। ऐसे वातावरण में एआई की चौबीसों घंटे उपलब्धता महत्वपूर्ण अवसर पैदा करती है। व्यक्ति जब चाहे अपनी समस्या साझा कर सकता है और प्रारंभिक स्तर पर जानकारी, भावनात्मक सहारा तथा स्व-सहायता संबंधी सुझाव प्राप्त कर सकता है। एआई आधारित डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म इस दिशा में उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के प्रति सामाजिक झिझक भी एआई के उपयोग को बढ़ावा दे सकती है। अनेक लोग परिवार, मित्र या चिकित्सक के सामने अपनी भावनाएं व्यक्त करने में संकोच करते हैं। अपेक्षाकृत गुमनाम डिजिटल बातचीत उन्हें अपनी चिंता, डर और परेशानियों को शब्द देने का अवसर देती है। इस प्रकार चैटबॉट मानसिक स्वास्थ्य संबंधी संवाद की पहली सीढ़ी बन सकते हैं और व्यक्ति को आवश्यकता होने पर आगे पेशेवर सहायता लेने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

एआई का एक महत्वपूर्ण लाभ शुरूआती स्क्रीनिंग में भी है। व्यक्ति के संवाद, व्यवहार और कुछ डिजिटल संकेतों का विश्लेषण करके एआई संभावित चिंता, अवसाद या अन्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की पहचान में सहायता कर सकता है। हालांकि ऐसी स्क्रीनिंग को अंतिम चिकित्सकीय निदान नहीं माना जाना चाहिए। इसका उद्देश्य केवल संभावित जोखिम को पहचानकर व्यक्ति को उचित विशेषज्ञ तक पहुंचाने में सहायता करना होना चाहिए।

भारत की भाषाई विविधता को देखते हुए बहुभाषी एआई तकनीक भी विशेष महत्व रखती है। यदि मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और प्रारंभिक सहायता केवल अंग्रेजी या कुछ सीमित भाषाओं तक रहेगी, तो बड़ी आबादी इससे बाहर रह जाएगी। भाषा-तकनीक और भारतीय भाषाओं के लिए विकसित डिजिटल प्रणालियां इस अंतर को कम कर सकती हैं। भविष्य में ऐसी सेवाओं को टेली-मानस जैसी सरकारी मानसिक स्वास्थ्य पहलों के साथ जोड़कर दूरदराज के क्षेत्रों तक प्रारंभिक सहायता पहुंचाई जा सकती है।

व्यक्तिगत सहायता भी एआई की एक उपयोगी विशेषता हो सकती है। दवा लेने की याद दिलाना, नींद और दिनचर्या पर ध्यान देने के लिए प्रेरित करना, तनाव कम करने के अभ्यास सुझाना या संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा आधारित संरचित स्व-सहायता गतिविधियों में मार्गदर्शन देना कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां एआई सहयोगी भूमिका निभा सकता है। चिकित्सकों के लिए भी एआई मरीजों की नियमित निगरानी, जोखिम वाले मामलों की पहचान और प्राथमिकता तय करने में सहायक हो सकता है। इससे सीमित मानव संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग संभव हो सकता है।

लेकिन अवसरों के साथ जोखिम भी गंभीर हैं। भावनात्मक संकट में व्यक्ति अत्यधिक संवेदनशील स्थिति में होता है। यदि एआई गलत, अधूरी या संदर्भहीन जानकारी देता है तो वह व्यक्ति की समस्या को और बढ़ा सकता है। किसी नकारात्मक या भ्रमपूर्ण धारणा को चुनौती देने के बजाय चैटबॉट अनजाने में उसे मजबूत कर दे, तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। यही कारण है कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े एआई सिस्टम में सामान्य सूचना देने वाले चैटबॉट और चिकित्सकीय सहायता देने वाले प्रमाणित उपकरणों के बीच स्पष्ट अंतर होना चाहिए।

सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होता है जब व्यक्ति एआई को वास्तविक चिकित्सक का विकल्प समझने लगता है। लगातार बातचीत के कारण भावनात्मक निर्भरता भी विकसित हो सकती है। व्यक्ति यह मान सकता है कि मशीन उसकी भावनाओं को पूरी तरह समझती है, जबकि एआई के पास मानवीय अनुभव, नैतिक निर्णय, नैदानिक विवेक और वास्तविक सामाजिक संदर्भ को समझने की सीमाएं हैं।

आत्महत्या या आत्महानि जैसे संकटपूर्ण मामलों में यह सीमा और अधिक गंभीर हो जाती है। व्यक्ति हमेशा सीधे शब्दों में अपनी स्थिति व्यक्त नहीं करता। उसके संकेत अप्रत्यक्ष, अस्पष्ट या सांस्कृतिक संदर्भों में छिपे हो सकते हैं। यदि एआई ऐसी चेतावनियों को पहचानने में विफल रहता है या समय पर मानवीय सहायता से नहीं जोड़ता, तो नुकसान की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए उच्च जोखिम वाले मामलों में चैटबॉट को बातचीत जारी रखने के बजाय प्रशिक्षित व्यक्ति, हेल्पलाइन या आपातकालीन सेवा की ओर तत्काल मार्गदर्शन करने में सक्षम होना चाहिए।

गोपनीयता भी एक बड़ी चिंता है। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बातचीत अत्यंत निजी होती है। व्यक्ति अपनी भावनाएं, पारिवारिक परिस्थितियां, संबंध, भय और व्यक्तिगत अनुभव डिजिटल प्रणाली के साथ साझा कर सकता है। ऐसे संवेदनशील डेटा का संग्रह, भंडारण, उपयोग और साझा किया जाना स्पष्ट नियमों तथा मजबूत डेटा सुरक्षा के अधीन होना चाहिए। भारत में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण संबंधी व्यवस्था के संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य डेटा के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।

इसके अतिरिक्त, एआई में मौजूद एल्गोरिद्मिक पक्षपात भी चिंता का विषय है। भारत की भाषाई, सांस्कृतिक, लैंगिक और सामाजिक विविधता इतनी व्यापक है कि एक ही मॉडल सभी समुदायों की मानसिक स्वास्थ्य जरूरतों को समान रूप से नहीं समझ सकता। किसी एक भाषा, वर्ग या सांस्कृतिक संदर्भ पर आधारित प्रशिक्षण से तैयार प्रणाली दूसरे समुदाय के लिए अनुपयुक्त सलाह दे सकती है।

इसलिए आगे का रास्ता एआई को रोकना नहीं, बल्कि उसे जिम्मेदारी के साथ विकसित करना है। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी एआई प्रणालियों के लिए स्वतंत्र नैदानिक परीक्षण, नियमित सुरक्षा ऑडिट, स्पष्ट जवाबदेही और संकट-स्थिति में मानव विशेषज्ञ तक पहुंचाने के अनिवार्य प्रोटोकॉल होने चाहिए। उच्च जोखिम वाले मामलों में मानव हस्तक्षेप को वैकल्पिक नहीं, बल्कि अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। साथ ही, डिजाइन के स्तर पर ही गोपनीयता, डेटा न्यूनतमकरण और सुरक्षित उपयोग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

भारत में एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहली चौखट को व्यापक बना सकता है। वह उस व्यक्ति तक पहुंच सकता है जो दूरी, खर्च, भाषा या सामाजिक कलंक के कारण चिकित्सक तक नहीं पहुंच पा रहा। लेकिन पहली चौखट और अंतिम मंजिल में अंतर है। मानसिक स्वास्थ्य केवल सूचना या बातचीत का विषय नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, नैदानिक समझ और निरंतर देखभाल का क्षेत्र है। इसलिए भविष्य की सही दिशा 'एआई बनाम चिकित्सक' नहीं, बल्कि 'एआई के साथ चिकित्सक' होनी चाहिए। तकनीक पहुंच का विस्तार करे, प्रारंभिक संकेत पहचाने और सहायता की राह आसान बनाए; अंतिम निर्णय और देखभाल में प्रशिक्षित मानव विशेषज्ञ केंद्र में रहें। यही संतुलन भारत में सुरक्षित, सुलभ और मानवीय मानसिक स्वास्थ्य व्यवस्था की आधारशिला बन सकता है।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आतंकी मसूद पर पाकिस्तान की नई नौटंकी

सुरेश हिंदुस्तानी

आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में अब दुनिया को दावों की नहीं, कार्रवाई की भाषा चाहिए। पाकिस्तान यदि वास्तव में अपनी छवि बदलना चाहता है तो उसे नौटंकी से आगे बढ़कर प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे। क्योंकि आतंकवाद के सवाल पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की स्मृति अब इतनी कमजोर नहीं रही कि पुरानी चालें नए आवरण में आसानी से सफल हो जाएं।

आतंकवाद के प्रश्न पर पाकिस्तान की भूमिका लंबे समय से विश्व समुदाय के लिए चिंता का विषय रही है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई का दिखावा और आतंकी संगठनों के प्रति नरम रवैया, पाकिस्तान की विदेश एवं सुरक्षा नीति के इस विरोधाभासी चरित्र ने उसकी विश्वसनीयता को लगातार कठघरे में खड़ा किया है। आतंकी सरगना मसूद अजहर को लेकर पाकिस्तान की हालिया कार्रवाई भी इसी विरोधाभास की एक नई कड़ी के रूप में देखी जा रही है। उसे भगोड़ा घोषित करना और उसकी गिरफ्तारी पर इनाम की घोषणा करना पहली दृष्टि में कठोर कार्रवाई का संकेत देता है, लेकिन पाकिस्तान के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए इसके पीछे की वास्तविक मंशा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

मसूद अजहर कोई सामान्य अपराधी नहीं है। वह भारत में हुए अनेक आतंकी हमलों से जुड़े उन कुख्यात चेहरों में रहा है, जिनकी गतिविधियों ने न केवल भारत की सुरक्षा को चुनौती दी, बल्कि दक्षिण एशिया में आतंकवाद के नेटवर्क की भयावहता को भी उजागर किया। वर्ष 1999 में इंडियन एयरलाइंस के विमान के अपहरण के बाद यात्रियों की रिहाई के बदले भारत को जिन आतंकवादियों को छोड़ना पड़ा, उनमें मसूद अजहर भी शामिल था। इसके बाद उसने आतंकवादी गतिविधियों के जिस नेटवर्क को आगे बढ़ाया, उसने भारत की सुरक्षा व्यवस्था के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी कीं।

विडंबना यह है कि जिस व्यक्ति को भारत लंबे समय से आतंकवाद का प्रमुख चेहरा मानता रहा है, उसी मसूद अजहर को लेकर पाकिस्तान अब यह दावा कर रहा है कि वह उसकी पकड़ से बाहर है और संभवतः अफगानिस्तान में छिपा हुआ है। यदि यह दावा सही है तो सवाल यह उठता है कि पाकिस्तान की सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां इतने कुख्यात आतंकी के संबंध में इतनी अनभिज्ञ कैसे हो सकती हैं? और यदि वह पाकिस्तान से बाहर है तो उसके संगठनात्मक नेटवर्क, आर्थिक संसाधनों और संपर्कों पर कार्रवाई क्यों दिखाई नहीं देती?

यहीं से पाकिस्तान की कार्रवाई पर संदेह की परतें गहरी होने लगती हैं।

पाकिस्तान की जांच एजेंसी एफआईए द्वारा मसूद अजहर को अपने अत्यंत खतरनाक आतंकवादियों की सूची में शामिल किया जाना अपने आप में महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। लेकिन केवल किसी आतंकी को सूचीबद्ध कर देना आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई नहीं माना जा

सकता। असली कसौटी गिरफ्तारी, न्यायिक प्रक्रिया, आतंकी नेटवर्क का विघटन और उसके वित्तीय स्रोतों पर प्रभावी प्रहार है। यदि कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित रह जाए, तो वह आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दबाव को टालने की प्रशासनिक कवायद बनकर रह जाती है।

भारत के सुरक्षा तंत्र से जुड़े इनपुट यदि यह संकेत देते हैं कि मसूद अजहर पाकिस्तान में ही छिपा हुआ है, तो पाकिस्तान के दावे की विश्वसनीयता और भी संदिग्ध हो जाती है। हालांकि ऐसे खुफिया दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक होती है, लेकिन पाकिस्तान का अतीत उसके वर्तमान दावों पर सहज विश्वास करने की अनुमति नहीं देता।

पाकिस्तान का यह दोहरा चरित्र नया नहीं है। दुनिया पहले भी देख चुकी है कि आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई का दावा करने वाला पाकिस्तान अपनी ही धरती पर छिपे कुख्यात आतंकवादियों की मौजूदगी से लंबे समय तक इनकार करता रहा। ओसामा बिन लादेन का पाकिस्तान में पाया जाना इस संदर्भ में सबसे चर्चित उदाहरण है। अमेरिकी कार्रवाई में एबटाबाद में लादेन के मारे जाने के बाद पाकिस्तान के उन दावों की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न उठे थे, जिनमें वह अपनी धरती पर आतंकवादी सरगनाओं की मौजूदगी से अनभिज्ञता जताता रहा था।

आतंकी मसूद अजहर पर पाकिस्तान सरकार की कार्यवाही को इसलिए भी संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है, क्योंकि पाकिस्तान में आतंकी सरगनाओं पर न तो सरकार का नियंत्रण है और न ही सेना की ही चलती है। आतंकियों का अपना एक तंत्र है। जिनमें कोई भी दखल नहीं दे सकता। पाकिस्तान में तीन शक्ति केंद्र माने जाते हैं, जिनमें सरकार, सेना और आतंकवादी हैं। कई बार यह भी देखने में आता है कि वहां की सरकार किसकी होगी, यह आतंकी और सेना तय करती है। इसलिए सरकार, आर्तकियों पर कठोर कार्यवाही करने का सामर्थ्य नहीं जुटा पाती। और आतंकी फलीभूत होते रहते हैं।

इस पृष्ठभूमि में मसूद अजहर पर घोषित इनाम को केवल कानून-व्यवस्था की कार्रवाई के रूप में देखना कठिन है। इसके पीछे पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने की मंशा भी दिखाई देती है। विशेषकर आतंकवाद के वित्तपोषण और धनशोधन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय मानकों के संदर्भ में पाकिस्तान पर लगातार दबाव रहा है। ऐसे समय में किसी कुख्यात आतंकी के विरुद्ध सार्वजनिक कार्रवाई का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को यह संदेश देने का प्रयास हो सकता है कि पाकिस्तान आतंकवाद के विरुद्ध सक्रिय है। लेकिन आज विश्व पहले की तुलना में कहीं अधिक सतर्क है। आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में अब केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय यह देखता है कि आतंकवादी संगठनों की वित्तीय धमनियां कितनी प्रभावी ढंग से रोकी गईं, उनके प्रशिक्षण शिविरों और नेटवर्क पर क्या कार्रवाई हुई, आतंकी सरगनाओं को न्याय के कठघरे में कब लाया गया और आतंकवाद को संरक्षण देने वाली संरचनाओं को कितना ध्वस्त किया गया।

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति भी उसके लिए एक बड़ी चुनौती है। विदेशी सहायता, ऋण और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं से मिलने वाली आर्थिक सहायता उसके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में आतंकवाद के वित्तपोषण को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव उसके आर्थिक हितों से सीधे जुड़ जाता है। यदि पाकिस्तान आतंकवाद पर प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रहता है तो उस पर आर्थिक एवं वित्तीय प्रतिबंधों का दबाव बढ़ सकता है। इसलिए उसके द्वारा की जाने वाली प्रत्येक कार्रवाई को उसके आर्थिक और कूटनीतिक संदर्भ में भी परखना आवश्यक है।

भारत के लिए यह समय पाकिस्तान के किसी भी दावे से प्रभावित होने के बजाय तथ्यों, प्रमाणों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के आधार पर अपनी आतंकवाद विरोधी नीति को और सुदृढ़ करने का है। आतंकवाद किसी एक देश की समस्या नहीं है। यह वैश्विक शांति, लोकतांत्रिक संस्थाओं और मानव सभ्यता के लिए चुनौती है। इसलिए आतंकवाद को संरक्षण देने वाली किसी भी व्यवस्था के प्रति अंतरराष्ट्रीय समुदाय को शून्य-सहनशीलता की नीति अपनानी होगी।

मसूद अजहर पर इनाम की घोषणा यदि वास्तविक कार्रवाई की दिशा में पहला कदम है तो पाकिस्तान को उसे प्रमाणित करने में देर नहीं करनी चाहिए। उसे चाहिए कि वह मसूद अजहर की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करे, यदि वह पाकिस्तान में है तो उसे गिरफ्तार करे, उसके नेटवर्क को ध्वस्त करे और उसके विरुद्ध पारदर्शी न्यायिक कार्रवाई सुनिश्चित करे। अन्यथा यह कार्रवाई भी पाकिस्तान की उन अनेक घोषणाओं की सूची में जुड़ जाएगी, जिनमें शब्द बहुत थे, लेकिन परिणाम नगण्य।

आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में अब दुनिया को दावों की नहीं, कार्रवाई की भाषा चाहिए। पाकिस्तान यदि वास्तव में अपनी छवि बदलना चाहता है तो उसे नौटंकी से आगे बढ़कर प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे। क्योंकि आतंकवाद के सवाल पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की स्मृति अब इतनी कमजोर नहीं रही कि पुरानी चालें नए आवरण में आसानी से सफल हो जाएं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नशे में वाहन चलाने वालों पर पुलिस की कार्रवाई, आठ वाहन सीज

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए कोटद्वार पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान नशे की हालत में वाहन चलाते मिले आठ चालकों के खिलाफ चालान की कार्रवाई करते हुए उनके वाहनों को सीज कर दिया गया।

पुलिस ने अभियान के दौरान कार और दोपहिया वाहनों को रोककर तलाशी ली और चालकों से पूछताछ की। जांच के दौरान आठ चालक नशे की हालत में वाहन चलाते पाए गए। पुलिस ने सभी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए वाहनों को सीज किया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए यातायात नियमों का पालन बेहद जरूरी है। नशे की हालत में वाहन चलाना न केवल चालक बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के लिए भी गंभीर खतरा है। उन्होंने आमजन से यातायात नियमों

वाहन चालकों की तलाशी लेती पुलिस

का पालन करने और पुलिस के अभियान में सहयोग करने की अपील की। पुलिस ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर चेकिंग अभियान आगे भी जारी रहेगा।

संस्था ने किया पौधा रोपण, संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : कल्पतरू सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था की तरफ से जौनपुर स्थित वन वाटिका में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के फलदार व छायादार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया।संस्था की अध्यक्ष कल्पना ने बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए पौधारोपण किया जाना जरूरी है। कहा कि संस्था प्रतिवर्ष पौधारोपण करती आ रही है। कहा कि इस वर्ष भी वन वाटिका में विभिन्न प्रजातियों के फलदार व छायादार पौधों का रोपण कर उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया गया। उन्होंने अन्य संस्थाओं को भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर पौधा रोपण करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर कलावती बिष्ट, दीपाली, राधा, प्रियतमा, दीपा नेगी, सुशीला रावत, विनोद, पूरण नेगी, कंचन, हरि सिंह, हेमलता मौजूद रहे।

स्वरोजगार से आत्मनिर्भर बनें महिलाएं

आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को संबोधित करते वक्ता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ग्रामीण संस्था विकास विज्ञान समिति की ओर से दुर्गापुर स्थित बाल भारती पब्लिक स्कूल में महिला सशक्तिकरण को लेकर गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें महिलाओं को सरकार की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान महिला समूहों से जुड़ी करीब 50 महिलाओं को नारी शक्ति किट वितरित की गई।

मुख्य अतिथि सुनीता कोटनाला ने महिला सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी देते हुए महिलाओं से समूह बनाकर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने लखपति दीदी योजना की जानकारी देते हुए कहा कि महिलाएं समूह के माध्यम से आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बन सकती हैं। भाजपा नेता डॉ. गौरव जोशी ने कहा कि नारी सशक्त होगी, तभी देश सशक्त बनेगा। उन्होंने महिलाओं की आर्थिक एवं सामाजिक भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। अंतरराष्ट्रीय संस्था ग्राविस के समन्वयक रोशन लाल कुकरेती ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि जोधपुर, राजस्थान से संचालित ग्राविस विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि बालागंज स्थित संस्था के उप कार्यालय में भी गोष्ठी आयोजित की गई। समिति कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ फलोद्यान और बागवानी के विकास के लिए भी कार्य कर रही है। इस अवसर पर कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य के लिए चंद्रमोहन को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कृषि समन्वयक अधिकारी दुगड्डा शशि बिंजोला, नीलम आर्य, सुखपाल शाह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राज्य आंदोलनकारियों ने की मूल निवास 1950 लागू करने की मांग

उत्तरकाशी। चिह्नित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति की बैठक में राज्य आंदोलनकारियों की विभिन्न मांगों को लेकर चर्चा हुई। बैठक में उत्तराखंड में सरकारी नौकरियों और राज्य के संसाधनों पर पहला अधिकार सुनिश्चित करने के लिए मूल निवास 1950 की व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू करने की मांग उठाई गई। वही, सर्वसम्मति से विजय बहादुर रावत को समिति का जिलाध्यक्ष चुना गया।

विज्ञान संगोष्ठी में आयुषी ने हासिल किया पहला स्थान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : प्रखंड द्वारीखाल के कीर्तिखाल स्थित बीआरसी सभागार में जनपद स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कॉलेज कांडाखाल की छात्रा आयुषी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य राकेश नेगी ने किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान संगोष्ठी का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तार्किक चिंतन विकसित करने के साथ ही उनमें नवाचार एवं विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करना है। प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कॉलेज कांडाखाल की आयुषी प्रथम, राजकीय इंटर कॉलेज देवीखेत की साक्षी द्वितीय और इंटर कॉलेज द्वारीखाल के आदित्य तृतीय स्थान पर रहे।

प्रतियोगिता में विक्रम सिंह रावत, लक्ष्मी रावत और प्रेरणा सिलस्वाल ने निर्णायक की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में हाईस्कूल, इंटरमीडिएट और उच्च प्राथमिक स्तर के 28 विद्यालयों से 33 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर शैलजा चमोली, मानवी कोटनाला, प्रीतम बिष्ट, रश्मि रावत और महेंद्र राणा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भाजपा छोड़ कांग्रेस में आए खर्कवाल का हुआ स्वागत, बोले कांग्रेस को करेंगे मजबूत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गोविंद नगर स्थित एक बारातघर में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए भुवनेश खर्कवाल और उनके समर्थकों का पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने स्वागत किया। उन्होंने कहा कि नए साथियों के कांग्रेस से जुड़ने से संगठन को मजबूती मिलेगी और आगामी विधानसभा चुनाव में इसका लाभ पार्टी को मिलेगा।

कांग्रेस में शामिल हुए भुवनेश खर्कवाल ने भाजपा की नीतियों को जनविरोधी बताते हुए कहा कि भाजपा धर्म की राजनीति करती है, जबकि विकास के नाम पर केवल जुमलेबाजी की जाती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विकास की राजनीति में विश्वास रखती है। खर्कवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार की घटनाओं में वृद्धि हुई है।

कोटद्वार में भुवनेश खर्कवाल व उनके समर्थकों का स्वागत करते कांग्रेसी

महिला सशक्तीकरण की बात करने वाली सरकार में अंकिता भंडारी को अब तक न्याय नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं और भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आती रही हैं। उन्होंने पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी को राम और स्वयं को लक्ष्मण बताते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में पूरी ताकत के साथ कार्य कर कांग्रेस प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी की ओर से कराए गए विकास कार्यों की भी सराहना की। पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि उन्होंने कभी राजनीति को प्राथमिकता नहीं दी, बल्कि जनसेवक के रूप में क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि जनता को कभी जुमलेबाजी और झूठे सपने नहीं दिखाए और आगे भी जनसेवक के रूप में क्षेत्र की सेवा करते रहेंगे। सम्मेलन में महानगर अध्यक्ष मीना बछुवाण, संजय मित्तल, विजय नारायण सिंह, डॉ. चंद्रमोहन खर्कवाल, विजय रावत, सुनील सेमवाल, बृजपाल सिंह नेगी और राकेश शर्मा सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र विद्धार्थ रावत (VIDDHARTH RAWAT) का नाम बदलकर अमृतांश रावत (AMRITAANSH RAWAT) रख दिया है। भविष्य में मेरे पुत्र को अमृतांश रावत (AMRITAANSH RAWAT) के नाम से जाना, पहचाना व लिखा, पढ़ा जाये।

विनोद रावत पुत्र श्री जसपाल सिंह रावत निवासी ग्राम रतनपुर, पोस्ट कुम्भीचौड़, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0605/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड व अन्य सभी दस्तावेजों में मेरा नाम मौ0 युसूफ अंकित है। कलमी भूलवश मेरे डी0एल0 सं0- UK-15 20030000099 में मेरा नाम मौ0 युसूफ के स्थान पर युसूफ अहमद अंकित हो गया है, जो कि गलत है। मैं उपरोक्त डी0एल0 में अपना सही नाम मौ0 युसूफ अंकित करवाना चाहता हूं।

मौ0 युसूफ पुत्र जानी निवासी पुराना कोटद्वार, ग्रास्टनगंज, पोस्ट ओ0 कुम्भीचौड़, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0606/21)

संक्षिप्त समाचार

संस्कारयुक्त और नशामुक्त युवा ही बनाएंगे समृद्ध राष्ट्र: भाषण प्रतियोगिता में रूद्रप्रताप अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मेहरबान सिंह कंडारी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में 'समृद्ध राष्ट्र के लिए संस्कारयुक्त, नशामुक्त युवा' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर नशामुक्त समाज और राष्ट्र निर्माण को लेकर अपने विचार रखे। हेरिटेज पब्लिक स्कूल के रूद्रप्रताप सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य चंदन सिंह नकोटी, डॉ. रमाकांत कुकरेती और वंदना भारद्वाज ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे प्रतिभागियों ने निर्धारित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में हेरिटेज पब्लिक स्कूल के रूद्रप्रताप सिंह प्रथम, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की नमरा द्वितीय और हेरिटेज पब्लिक स्कूल की अर्चना तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं हैप्पी होम पब्लिक स्कूल के सार्थक और मेहरबान सिंह कंडारी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की जिया बहुखंडी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए संस्कार, अनुशासन और सकारात्मक सोच को राष्ट्र की प्रगति का आधार बताया। आयोजकों ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखकर ही स्वस्थ, संस्कारवान और समृद्ध समाज की नींव मजबूत की जा सकती है।

पोखड़ा ब्लॉक की संस्कृत की खंड स्तरीय प्रतियोगिता 23 से

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार हेतु उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी के तत्वाधान में आयोजित विकासखंड पोखड़ा की खंड स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिताएं 23 व 24 सितम्बर को जनता इंटरमीडिएट कॉलेज देवराजखाल में आयोजित होंगी। प्रतियोगिता के खंड संयोजक सुनील धस्माना ने बताया कि खंड शिक्षाअधिकारी मनोज जोशी के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाली यह प्रतियोगिताएं दो वर्गों में आयोजित होगी। जिसमें कनिष्ठ वर्ग में कक्षा छह से दस तक के छात्र-छात्राएं व वरिष्ठ वर्ग में कक्षा ग्यारह, बारह व स्नातकोत्तर तक के छात्र-छात्राएं प्रतिभाग करेंगे। संस्कृत छात्र स्पर्धा में संस्कृत नाटकम, संस्कृत समूह गान, संस्कृत समूह नृत्य, संस्कृत श्लोकोचारणम, संस्कृत वाद-विवाद, संस्कृत आशुभाषणम की प्रतियोगितायें होंगी। उन्होंने बताया कि प्रथम दिन कनिष्ठ वर्ग की व द्वितीय दिन वरिष्ठ वर्ग की स्पर्धाएं होंगी। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय प्राप्त विजेताओं को नगद पुरस्कार राशि दी जायेगी।

18 साल से डामरीकरण के लिए तरस रहा डांग–ओल्या मोटर मार्ग

उत्तरकाशी। डांग से ओल्या होते हुए मसोन तक करीब 3.5 किलोमीटर मोटर मार्ग पिछले 18 वर्षों से डामरीकरण की बाट जोह रहा है। सड़क की बदहाल स्थिति से परेशान ग्रामीण लंबे समय से मार्ग के सुधारीकरण, डामरीकरण और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं। समस्या का समाधान न होने पर क्षेत्र की छह ग्राम पंचायतों में आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान न करने का प्रस्ताव भी पारित किया है। ग्राम पंचायत ओल्या एवं क्षेत्र के ग्रामीणों ने लंबित मोटर मार्ग संबंधी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर दर्जाधारी रामसुंदर नौटियाल के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नजीबाबाद रोड स्थित जुयाल परिवार में मंगलवार को धार्मिक वातावरण के बीच श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ हुआ। कथा के शुभारंभ से पूर्व श्रद्धालुओं ने भव्य कलश यात्रा निकाली। महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भजन-कीर्तन करते हुए यात्रा में सहभागिता की। कलश यात्रा के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

कथा स्थल पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद कथा व्यास वेदाचार्य आचार्य पंडित देवी प्रसाद भट्ट ने श्रीमद्भागवत महापुराण का शुभारंभ किया। पहले दिन उन्होंने श्रद्धालुओं को भागवत कथा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मनुष्य को जीवन जीने की सही दिशा प्रदान करने वाला आध्यात्मिक मार्गदर्शक है। इसके श्रवण से मनुष्य के भीतर भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और सदाचार की भावना का विकास होता है। आचार्य देवी प्रसाद भट्ट ने कहा कि आज की

नजीबाबाद रोड पर भागवत कथा से पूर्व भव्य कलश यात्रा निकालते हुए श्रद्धालु।

भागदौड़ भरी जिंदगी में मनुष्य भौतिक सुख-सुविधाओं के पीछे दौड़ते हुए मानसिक शांति से दूर होता जा रहा है। ऐसे समय में भगवान की कथा और सत्संग मन को शांति प्रदान करने के साथ ही जीवन के वास्तविक उद्देश्य का बोध कराते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से कथा को केवल सुनने तक सीमित न रखकर उसके संदेश को अपने व्यवहार और जीवन में उतारने का आह्वान किया। कथा के दौरान भजन-कीर्तन और धार्मिक प्रसंगों से श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। आयोजक जुयाल परिवार की ओर से श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की गई। कथा आयोजन को लेकर क्षेत्र के लोगों में भी उत्साह बना हुआ है।

आबादी में घुसे हाथी, बर्बाद की फसल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के हल्दूखाता मल्ला की बोक्सा जनजाति बस्ती में घुसकर दो हाथियों ने काश्तकारों की चार बीघा धान की फसल रौंद डाली। हाथियों ने खेतों की घेरबाड़ भी तोड़ दी। सुबह करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने हाथियों को जंगल में वापस भेजा। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और फसल क्षति का मुआवजा देने की मांग की है।

पार्षद जे.पी बहुखंडी ने बताया कि सोमवार रात करीब डेढ़ बजे दो हाथी हल्दूखाता मल्ला में आ धमके। घेरबाड़ तोड़कर हाथी काश्तकारों के खेतों में घुस गए। हाथियों ने सुक्खी देवी, सुधीर सिंह, राजकुमार और राजवीर की करीब चार बीघा धान की फसल रौंद डाली। सुबह ग्रामीणों की नींद खुलने पर खेतों में हाथियों की मौजूदगी का पता चला। इसके बाद ग्रामीणों ने शोर मचाकर और मशाल आदि की मदद से हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ना शुरू किया। करीब एक घंटे बाद दोनों हाथी जंगल में लौटे। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से हाथियों की आवाजाही बनी हुई है। इससे कई काश्तकारों की फसलों को नुकसान हो चुका है। उन्होंने आबादी क्षेत्र में हाथियों की आवाजाही रोकने के लिए वनकर्मियों की गश्त बढ़ाने और प्रभावित किसानों को जल्द मुआवजा देने की मांग की।

खो–खो में जोशियाड़ा न्याय पंचायत विजेता व सौरा उपविजेता रहा

उत्तरकाशी। गंगोत्री विधानसभा क्षेत्र की 12 न्याय पंचायतों के करीब छह हजार प्रतिभागियों के बीच आयोजित विधायक चैंपियनशिप का मंगलवार को समापन हुआ।

प्रतियोगिता में अंडर–14 और अंडर–19 वर्ग के बालक–बालिकाओं ने विभिन्न खेलों में प्रतिभाग किया। समापन पर ब्लॉक प्रमुख भटवाड़ी ममता पंवार ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

प्रतियोगिता में गंगोटी न्याय पंचायत के खिलाड़ियों का कई स्पर्धाओं में दबदबा रहा। अंडर–19 खो–खो बालक वर्ग में जोशियाड़ा न्याय पंचायत विजेता और सौरा उपविजेता रहा। फाइनल मुकाबला 2–1 से जोशियाड़ा ने जीता। 3000 मीटर दौड़ में गंगोरी के रंजीत प्रथम रहे। गोला फेंक में गंगोरी के शिवांश प्रथम, साल्ड के गौतम द्वितीय और बड़ेथी के राजीव पंवार तृतीय रहे। मुर्गा झपट में गंगोरी के मोहित प्रथम, जोशियाड़ा के अर्जुन सिंह द्वितीय और बड़ेथी के सौरभ तृतीय रहे। 100 मीटर दौड़ में नाकुरी के अनिकेत सोनी प्रथम, सौरा के अभिषेक द्वितीय और जोशियाड़ा के अभय प्रताप तृतीय रहे। 500 मीटर दौड़ में गंगोरी के अंशुभान प्रथम, रायमेर के विवेक द्वितीय और साल्ड के आयुष तृतीय रहे।

सार्वजनिक सूचना

प्राथी नरेन्द्र सिंह पुत्र श्री गब्बर सिह निवासी हाल कुम्भीचौड़ वार्ड सं०–2 पट्टी सन्हेल तहसील कोटद्वार गढ़वाल द्वारा ग्राम कुम्भीचौड़ पट्टी सनेह , तहसील कोटद्वार गढ़वाल के हाल खाता संख्या 25 साबिक खाता संख्या 13 के खेत संख्या 73 मध्ये रकवा 0.016 हेक्टेयर भूमिधरी भूमि विक्रेता श्री सुभाष चन्द्र पाण्डेय पुत्र श्री पातीराम पाण्डेय से खरीद की गई थी। उक्त भूखण्ड विकेता सुभाष चन्द्र पाण्डेय पुत्र श्री पातीराम पाण्डेय द्वारा श्री राजेन्द्र प्रसाद पुत्र श्री बिहारी लाल से खरीद की गई थी जोकि दस्तावेज दिनॉक 15–12–2008 को सब रजिस्टार कार्यालय कोटद्वार के बही सं० 1, खण्ड सं०155 के पृष्ठ सं० 373, एडिस्नल बही सं० 1 खण्ड सं० 204 के पृष्ठ सं० 425 से 432 के दस्तावेज सं० 2790 पर पंजीकृत था। उक्त मूल दस्तावेज संख्या 2790 दिनॉक 15–12–2008 प्रार्थी की 31 साला के चैन ऑफ टाईटल मे दस्तावेज हैं, जोकि मूल रूप में कही खो गया है वह बहुत ढूढने पर भी मिल नही पा रहा है। जिसकी तहरीर मेरे द्वारा थाना कोटद्वार में दिनांक 03–09–2026 को दी गयी है। प्रार्थी द्वारा अपनी सम्पत्ति को सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा कोटद्वार में बन्धक रखने हेतु प्रस्तावित है। उक्त सम्बन्ध में यदि किसी आम व खास को किसी प्रकार की कोई आपत्ति एवं एतराज हो तो वह व्यक्ति सात दिन के अन्दर बैंक की शाखा में लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे। समय व्यतीत होने पर कोई भी एतराज मान्य नही होगा।

(नरेन्द्र सिह) ,
पुत्र श्री गब्बर सिंह,
नि0 कुम्भीचौड़ , पट्टी सनेह
तहसील कोटद्वार गढ़वाल
मो0 नं0 7505043103

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि **प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है**। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल **IREPS** पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	175-DRM-MB-26-27 Dt. 15.09.2026	188-DRM-MB-26-27 Dt. 15.09.2026
कार्य का नाम	Renewal of bridge no. 1237 UP&DN (01*9.14),1239 UP&DN (02*9.14) 1240 UP&DN (01*9.14) and 1244A UP&DN (01*12.70) 1260 UP&DN (03*12.20) and 1271 DN (01*6.10) 1275 UP&DN. (02*12.20) and 1282 UP&DN (02* 12.20) 1289 UP&DN (03*12.20) and 1294 UP&DN (02*12.20), 1298 UP&DN (01*12.20) and 1300 UP&DN (04*12.20) by replacing existing steel girder by PSC slab and strengthening work by jacketing in the section of SSE/W/RK under ADEN/RK.	Loading and laying of US PRC sleepers at Track depot CBJ for new material stacking under SSE/TD/CBJ under Sr DEN/C/MB
निविदा का प्रकार	Works	Works
निविदा की कीमत	Nil	Nil
अनुमानित लागत	9,49,85,510.57	1,73,37,816.70
धरोहर राशि	18,99,700.00	3,46,800.00
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	13.10.2026 16:00	13.10.2026 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	29.09.2026	29.09.2026
आफर की वैधता	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 Months	08 Months

नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 15.09.2026 3192/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक 14.09.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपोजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	192-DRM-MB-26-27 Dt. 14.09.2026	193-DRM-MB-26-27 Dt. 14.09.2026	194-DRM-MB-26-27 Dt. 14.09.2026
कार्य का नाम	Provision of temporary Infrastructure for staff facilitation center & camp and other associated facilities i.e barricading, bedding etc. at YNRK, RKSH, MOTC, JWP, PRI, LRJ & at any other location, Provision of facility of tentage and temporary toilet for Passenger at PRI, IKKR, MOTC, RWL, VRH etc. and at any other location for entire Ardha Kumbha Mela - 2027 upto 22.04.2027.	Provision of temporary Infrastructure for passengers & staff facilitation center & camp at HW and other associated facilities i.e barricading, bedding etc. for entire Ardha Kumbha Mela -2027 upto 22.04.2027.	Provision of temporary Infrastructure for passengers facilitation center & camp RKSH, YNRK and JWP etc. alongwith other associated facilities i.e barricading etc. for entire Ardha Kumbha Mela - 2027 upto 22.04.2027.
निविदा का प्रकार	Works	Works	Works
निविदा की कीमत	Nil	Nil	Nil
अनुमानित लागत	4,99,91,436.99	5,99,88,925.66	3,99,95,905.53
धरोहर राशि	9,99,800.00	11,99,800.00	7,99,900.00
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	08.10.2026 16:00	08.10.2026 16:00	08.10.2026 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	24.09.2026	24.09.2026	24.09.2026
ऑफर की वैधता	60 Days	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 Months	06 Months	06 Months

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3175/26

यात्रियों की सुरक्षा, सुगम यात्रा एवं बेहतर यातायात प्रबंधन करें : धामी

चारधाम यात्रा-2026 की व्यवस्थाओं की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चारधाम यात्रा-2026 की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने यात्रा से जुड़े जनपदों के जिलाधिकारियों से यात्रा मार्गों, यातायात, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हेली सेवाओं के टिकट निर्धारित दरों पर ही उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित दर से अधिक वसूली अथवा अनधिकृत टिकट बिक्री की शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाए। मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर हेली सेवाओं का संचालन किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यात्रा मार्गों पर मौसम एवं भूस्खलन की स्थिति की निरंतर निगरानी करने, संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था रखने तथा संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय करने, किसी भी आपात स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यात्रा मार्गों पर यातायात दबाव को नियंत्रित करने के लिए होल्डिंग एरिया में आवश्यक सुविधाएं सुव्यवस्थित रखने को कहा। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था ऐसी हो कि श्रद्धालुओं को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने यमुनोत्री धाम में भीड़ एवं आवागमन को देखते हुए धाम से लगभग 500 मीटर पहले दूसरा घोड़ा पड़ाव विकसित करने, डंडी-कंडी सेवाओं को व्यवस्थित करने तथा खरसाली से वैकल्पिक मार्ग के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने पैदल मार्ग पर यात्रियों और घोड़े-खच्चरों की आवाजाही सुव्यवस्थित रखने तथा सूर्यकुंड क्षेत्र में प्रभावी भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित करने को कहा। केदारनाथ पैदल मार्ग के चीरबासा एवं भैरव ग्लेशियर क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संवेदनशील स्थानों पर यात्रियों, घोड़े-खच्चरों एवं डंडी-कंडी की आवाजाही व्यवस्थित रखी जाए। आवश्यकता पड़ने पर तत्काल रेस्क्यू की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने चारों धामों में मौसम की स्थिति को देखते हुए श्रद्धालुओं के लिए अलाव सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से श्री केदारनाथ और श्री बदरीनाथ यात्रा मार्गों पर स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ, ऑक्सीजन तथा आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, गृह सचिव शैलेश बगौली सहित शासन, प्रशासन एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

चारधाम यात्रा के लिए अब तक 66.07 लाख यात्रियों का पंजीकरण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी जिलाधिकारियों एवं संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा से किसी भी स्तर पर समझौता न हो। यात्रा मार्गों एवं संवेदनशील स्थलों की निरंतर निगरानी करते हुए किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में बताया गया कि चारधाम यात्रा-2026 के लिए अब तक 66,07,749 यात्रियों का पंजीकरण हो चुका है। 14 सितम्बर 2026 की शाम 7 बजे तक 50,56,160 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। इनमें यमुनोत्री में 7,08,407, गंगोत्री में 7,89,773, श्री केदारनाथ में 14,98,544, श्री बदरीनाथ में 17,36,619 तथा श्री हेमकुंड साहिब में 3,22,817 श्रद्धालु शामिल हैं।

औली में जुटे भारत–अमेरिका के जवान, शुरू हुआ संयुक्त सैन्य अभ्यास

चमोली। भारत–अमेरिका संयुक्त सैन्य युद्ध अभ्यास के 22 वें संस्करण का उद्घाटन समारोह आज उत्तराखंड के औली विदेशी प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित किया गया। अमेरिकी सेना की 14वी इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल अमरेश गुंजन और 11 वी एयरबोर्न डिवीजन की पहली इन्फैंट्री ब्रिगेड कॉम्बैट टीम के कमांडर कर्नल बेंजामिन जैकमैन ने दोनों पक्षों के 600–600 कर्मियों वाले प्रतिभागी दलों को संबोधित किया। यह अभ्यास राजस्थान के औली और महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में भी साथ–साथ आयोजित किया जा रहा है।

इस अभ्यास का उद्देश्य पर्वतीय और अर्ध–पर्वतीय क्षेत्रों में एकीकृत युद्ध समूहों के उपयोग हेतु दोनों सेनाओं की संयुक्त सैन्य क्षमता को बढ़ाना है, जिसमें पैदल सेना–प्रधान अभियानों पर विशेष बल दिया गया है। इससे अंतर–संचालनीयता मजबूत होगी, सर्वोत्तम परिचालन पद्धतियों का आदान–प्रदान सुगम होगा और संयुक्त योजना एवं क्रियान्वयन को सुदृढ़ बनाया जा सकेगा।

अस्पताल में व्यवस्था और डॉक्टरों की तैनाती न होने पर उक्रांद का प्रदर्शन

ज्योर्तिमठ। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ज्योर्तिमठ की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था और विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी से गुस्साए उत्तराखंड क्रांति दल कार्यकर्ताओं ने सीएचसी परिसर में शासन–प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर धरना दिया। दल के जिलाध्यक्ष यद्धुवीर सिंह नेगी के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने अस्पताल के उच्चीकरण की मांग उठाई। इसके बाद वह धरने पर बैठ गए।

उन्होंने अस्पताल में एक्स–रे तकनीशियन की कमी दूर करने, मरीजों की संख्या के अनुरूप पर्याप्त बेड उपलब्ध कराने और परिसर की सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की गई। इसके अलावा अस्पताल में महिला रोग विशेषज्ञ, बाल रोग, दंत, नेत्र और हड्डी रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों की तत्काल नियुक्ति की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की नियमित और सुचारु सुविधा उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। उक्रांद नेता कमल किशोर डिमरी ने कहा कि ज्योर्तिमठ जैसे महत्वपूर्ण सीमावर्ती क्षेत्र में विशेषज्ञ चिकित्सकों और जरूरी जांच सुविधाओं का अभाव चिंताजनक है। केंद्रीय महामंत्री बीरू सजवाण ने स्वास्थ्य सुविधाओं में शीघ्र सुधार करने की बात कही। इस मौके पर पंकज पुरोहित, सुबोध बिष्ट, महावीर सिंह पवार, भरत सिंह कुंवर, किरण डिमरी, मूसली देवी और सौरभ सती आदि मौजूद रहे।

नंदानगर में पोल्ट्री फार्मों का निरीक्षण किया

नंदानगर (चमोली)। मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ. देवेंद्र सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में पशुपालन विभाग की टीम ने लांखी और नारंगी क्षेत्र के ब्रॉयलर पोल्ट्री फार्मों का निरीक्षण किया। लांखी में राकेश बिष्ट के फार्म पर 750 और नारंगी में महावीर सिंह के फार्म पर 1200 ब्रॉयलर चूजे मिले। दोनों फार्मों में रख–रखाव एवं प्रबंधन संतोषजनक मिला।

संचालकों ने बताया कि चूजे टिहरी के छाम स्थित पोल्ट्री फार्म से लाए गए हैं। अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का जायजा लेकर आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया। इसके बाद राजकीय पशु चिकित्सालय नंदानगर में विभागीय कार्यों की समीक्षा की गई।

पशुचिकित्साधिकारी डॉ. अविनाश चौहान ने बताया कि लंपी रोग की रोकथाम के लिए शिविर लगाकर पशुओं के नमूने जांच को श्रीनगर भेजे जा रहे हैं। पशुपालकों को स्वच्छता और टीकाकरण के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

मौसम बदलते ही बढ़े वायरल के मरीज

नौगांव। मौसम में हो रहे बदलाव और बारिश के कारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव में वायरल बुखार और खांसी के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। इन दिनों प्रतिदिन करीब 10 से 15 मरीज बुखार और खांसी की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। जांच के बाद इनमें से अधिकांश मरीजों में टाइफाइड की पुष्टि हो रही है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार गंभीर स्थिति वाले मरीजों को पांच से सात दिन तक अस्पताल में भर्ती कर उपचार दिया जा रहा है। पिछले करीब डेढ़ माह में टाइफाइड से पीड़ित लगभग 150 से 200 मरीज सीएचसी में भर्ती हुए। जिनका उपचार करने के बाद उन्हें स्वस्थ होने पर घर भेज दिया गया। कुछ मरीज अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं और उनका उपचार जारी है।चिकित्सकों का कहना है कि बरसात के मौसम में दूषित पानी और खानपान के कारण वायरल बुखार, टाइफाइड समेत अन्य जल जनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि अब बारिश का दौर धीरे–धीरे कम होने के साथ बुखार और खांसी के मरीजों की संख्या में भी कमी आने लगी है। सीएचसी नौगांव के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हरदेव सिंह पंवार ने बताया कि बरसात के दौरान लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्होंने लोगों से जगह–जगह का पानी पीने से बचने और पानी को अच्छी तरह उबालकर ही पीने की अपील की। उन्होंने कहा कि चिकित्सकीय परामर्श के बिना कोई दवा न लें। साथ ही फ्रिज में रखा पानी पीने से भी फिलहाल परहेज करने की सलाह दी है।

एक नजर

कॉलोनी में ड्रोन उड़ाकर महिलाओं के अश्लील वीडियो बनाने का आरोप

ऋषिकेश। केलाखेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव गुमसानी की सीमा कॉलोनी के ऊपर ड्रोन उड़ाए जाने से कॉलोनीवासियों में खलबली मच गई। महिलाओं की निजता प्रभावित होने की आशंका जताते हुए एक महिला ने दो लोगों के खिलाफ थाने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर पर दो युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव गुमसानी की सीमा कॉलोनी निवासी मीना कुमारी ने गांव वासियों के साथ थाने में तहरीर देकर बताया कि आठ सितंबर को सुबह करीब 11 से दोपहर 12:30 बजे के बीच वह अपने घर पर थीं। इसी दौरान उन्होंने अपनी छत के ऊपर ड्रोन उड़ता देखा। ड्रोन काफी देर तक कॉलोनी के ऊपर चक्कर लगाता रहा। इसे देखकर कॉलोनी के लोग घबरा गए और ग्रामीणों ने अपने घरों से बाहर निकलकर ड्रोन के बारे में जानकारी की। आरोप है कि ड्रोन गुमसानी निवासी जमील अहमद और नासिर उड़ा रहे थे। शिकायतकर्ता ने बताया कि उस समय कॉलोनी की कई महिलाएं अपने घरों में स्नान आदि कर रही थीं।

ई–केवाईसी नहीं कराई तो एक अक्तूबर से बंद हो जाएगा राशन कार्ड

नई टिहरी। राशन कार्ड यूनिटों का जल्द ई–केवाईसी न करने वाले उपभोक्ताओं की मुसीबतें बढ़ सकती है। लगातार छह माह तक राशन नहीं लेने पर राशन कार्ड निष्क्रिय हो जाएगा। जिले में एक अक्तूबर से राशन कार्ड और दोहरे लाभार्थियों को स्वतः निष्क्रिय करने की प्रक्रिया शुरू होगी। ऐसे में राशन कार्डधारकों के लिए नियमित रूप से राशन लेना और कार्ड में दर्ज सभी सदस्यों की ई–केवाईसी कराना जरूरी होगा।

टिहरी जिले में 5,77,612 राशन कार्ड यूनिट उपभोक्ता है। इसके सापेक्ष वर्तमान तक 3,76,971 यूनिटों की ही ई–केवाईसी हो पाई है। 2,00,641 यूनिट का सत्यापन होना शेष है। डेढ़ साल से अधिक समय से ई–केवाईसी प्रक्रिया चलने के बावजूद बड़ी संख्या में यूनिटों का सत्यापन नहीं हो पाया है। जिले में कुल 1,40,681 राशन कार्ड हैं। इनमें राज्य खाद्य योजना के 56,880, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के 61,110 और अंत्योदय योजना के 22,691 कार्ड शामिल हैं।

राष्ट्र की उन्नति के लिए अपनी भाषा का विकास जरूरी

ज्योतिर्मठ। तपोवन विष्णुगाड़ जल विद्युत परियोजना में एनटीपीसी की ओर से हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। पखवाड़े के दौरान परियोजना में हिंदी विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यकारी निदेशक (हाइड्रो) अजय कुमार शुक्ल ने किया। उन्होंने एनटीपीसी के प्रबंध निदेशक का संदेश अधिकारियों और कर्मचारियों को पढ़कर सुनाया। कार्यकारी निदेशक ने हिंदी के संवैधानिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी केवल देश की राजभाषा ही नहीं बल्कि विभिन्न क्षेत्रों और संस्कृतियों को जोड़ने वाली भाषा भी है। राष्ट्र की उन्नति के लिए अपनी भाषा का विकास और उसका अधिक से अधिक प्रयोग जरूरी है।

पुलिसकर्मी का मोबाइल हैक, साइबर ठगों ने बैंक खाते से उड़ाए 1.42 लाख रुपये

हल्द्वानी। रुद्रपुर पुलिस लाइन में तैनात पुलिसकर्मी के मोबाइल को हैक कर साइबर ठगों ने उसके बैंक खाते से 1.42 लाख रुपये उड़ा दिए। मोबाइल दो बार खराब होने के बाद रकम गायब होने का पता चला। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मलबा आने से दो हाईवे बंद, नैनीताल हाईवे एक घंटे बाद हुआ बहाल

कर्णप्रयाग। रात हुई भारी बारिश के कारण कर्णप्रयाग क्षेत्र में दो प्रमुख मार्ग बंद हो गए। स्थिति यह रही कि कर्णप्रयाग–नौटी मार्ग नौ घंटे बाद खुला जबकि कर्णप्रयाग–नैनीताल हाईवे एक घंटे में बहाल हो गया। कर्णप्रयाग–नौटी मार्ग बंद रहने के कारण ग्रामीणों को जसपुर–डुंग्री के रास्ते करीब 25 किमी का सफर अतिरिक्त तय कर गंतव्य तक पहुंचना पड़ा।

कर्णप्रयाग–नौटी मोटर मार्ग चौंडली में मलबा आने से सोमवार रात करीब दो बजे बंद हो गया था। ग्रामीणों ने बताया कि लोनिवि गौचर के कर्मचारियों ने जेसीबी की मदद से नौ घंटे बाद पूर्वाह्न करीब ग्यारह बजे सड़क खोली। इस दौरान नौटी, नैणी, नंदासैंण, पुनगांव और बिसोणा के ग्रामीणों को आदिबदरी–उज्ज्वलपुर मार्ग से आवाजाही करनी पड़ी जिससे उन्हें परेशानी हुई। नरेंद्र सिंह ने बताया कि इस मार्ग पर कई संवेदनशील स्थान हैं। लोनिवि गौचर से कई बार मार्ग दुरुस्त करने करने का आग्रह कर चुके हैं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं बारिश से कर्णप्रयाग–नैनीताल हाईवे भी सिमली के राड़खी गदेरे और पेट्रोल पंप पर मलबा आने से रात

करीब तीन बजे बंद हो गया था। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग के अपर सहायक अभियंता प्रदीप नेगी ने बताया कि यह मार्ग सुबह चार बजे तक खोल दिया गया।

मंदिर की रोई, दीवार क्षतिग्रस्त

कर्णप्रयाग। रात हुई भारी बारिश से डिम्मर स्थित टटेश्वर महादेव मंदिर की रसोई और सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो गई। महंत योगेशानंद ने नुकसान की पुष्टि की। ग्राम प्रधान विनीता डिमरी ने मरम्मत के लिए खंड विकास अधिकारी को पत्र देने की बात कही। अधिकारियों ने निरीक्षण कर जल्द निर्माण का आश्वासन दिया है।

टिहरी झील क्षेत्र को जल्द मिलेगा स्मार्ट पर्यटन का नया स्वरूप : डीएम

नई टिहरी। टिहरी झील और आसपास के क्षेत्रों में एडीबी से सहायतित विकास योजनाएं और पर्यटन गतिविधियां बढ़ाने के लिए प्रस्तावित स्मार्ट कंपोनेंट और स्मार्ट लूप को लेकर डीएम नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में पर्यटन रोड की प्रगति, रोड पर प्रस्तावित कार्य, शहर और मुख्य मोटर मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, स्मार्ट पोल, स्मार्ट बस शेल्टर, व्यू प्वाइंट, आईसीसीसी भवन और ई–बस सेवा सहित विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गई। स्मार्ट बस शेल्टर में यात्रियों के बैठने, प्रकाश व्यवस्था, डिजिटल सूचना डिस्प्ले, सीसीटीवी और मोबाइल चार्जिंग जैसी सुविधाएं प्रस्तावित हैं।स्मार्ट पोल में प्रकाश व्यवस्था के साथ सीसीटीवी और सूचना संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना भी है। टिहरी झील के प्राकृतिक सौंदर्य को देखने के लिए व्यू प्वाइंट को आकर्षक बनाने पर जोर दिया गया। डीएम ने कहा कि ई–बस सेवा का लाभ अधिक से अधिक स्थानीय लोगों और पर्यटकों को मिल सके, इसके लिए रूट का निर्धारण प्रमुख पर्यटन स्थलों और स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर करें। बैठक में पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत, एसएसपी श्वेता चौबे और एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी आदि मौजूद थे।

हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग का बुरा हाल

चमोली। हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग ैर फूलों की घाटी से ईको विकास समिति (ईडीसी) ने इस वर्ष अब तक 22 हजार 400 से अधिक प्लास्टिक बोतलें और चार हजार से अधिक प्लास्टिक बैग, रेपर व रेनकोट एकत्रित किए हैं। समिति की ओर से 20 मई से दोनों मार्गों पर प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट एकत्रित करने का अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष हेमकुंड साहिब के कपाट 23 मई और फूलों की घाटी के कपाट एक जून को खुले थे। अब तक हेमकुंड साहिब में तीन लाख 21 हजार श्रद्धालु और फूलों की घाटी में 28 हजार से अधिक पर्यटक पहुंच चुके हैं ईडीसी भ्यूंडार के अध्यक्ष प्रवेंद्र

सिंह चौहान ने बताया कि एकत्रित कचरे को घांघरिया होते हुए पुलना लाया जाता है, जहां पुनर्चक्रण किया जाता है। करीब 60 पर्यावरण मित्र रोज सफाई में जुटे हैं। उच्च हिमालयी क्षेत्र की विषम परिस्थितियों के बावजूद समिति पर्यावरण और जैव विविधता संरक्षण के लिए लगातार अभियान चला रही है।

156 लोगों ने कराई स्वास्थ्य जांच

पीपलकोटी। टीएचडीसी की विष्णुगाड़–पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना में कार्मिकों और परियोजना प्रभावित परिवारों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में हड्डियों से संबंधित रोगों की जांच की गई। इस दौरान 156 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। मरीजों को जांच के बाद आहार संबंधी सलाह और आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। महाप्रबंधक (बांध) आरपी मिश्रा ने कहा कि शिविर का उद्देश्य लोगों को हड्डियों से संबंधित समस्याओं के प्रति जागरूक करना और समय पर जांच कर चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना था।

दो दिवसीय वार्षिकोत्सव रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया

पोखरी (चमोली)। राजकीय इंटर कॉलेज थालाबैड़ में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। छात्र–छात्राओं ने विभिन्न गीतों और नृत्यों की प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

वार्षिकोत्सव का शुभारंभ विधायक लखपत बुटोला ने किया। सरस्वती वंदना और स्वागत गीत के बाद छात्र–छात्राओं ने कन भलु लगूदो..., कश्मीर की वादियों मा..., गगन में चमके चंदा... और नंदा तेरी जात कैलाश लिजौला सजी धजी... सहित अन्य गीतों और नृत्यों की प्रस्तुति दी। नशा मुक्ति पर प्रस्तुत नाटक ने भी दर्शकों को जागरूक किया। पीटीए अध्यक्ष प्रदीप चौहान ने विद्यालय में शिक्षकों की कमी समेत विभिन्न समस्याओं से संबंधित पत्र विधायक को सौंपा। विधायक ने विद्यालय भवन की मरम्मत के लिए विधायक निधि से एक लाख रुपये देने की घोषणा की। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख राजी देवी, पूर्व प्रमुख प्रीती भंडारी, प्रधानाचार्य देवेंद्र सिंह रावत, शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष महावीर जग्गी, महामंत्री संदीप नेगी, टीपी सती, बबीता भंडारी, ग्राम प्रधान सरिता देवी, उप प्रधान किरन नेगी आदि मौजूद रहे।

केदारनाथ : चीरबासा में पैदल रास्ता खुला

फाटा। केदारनाथ पैदल मार्ग पर चीरबासा के समीप क्षतिग्रस्त रास्ता ठीक होने के बाद मंगलवार सुबह 10 बजे आवाजाही सुचारु कर दी गई। इस दौरान सोनप्रयाग में करीब चार घंटे तक यात्री रोके गए जिन्हें बाद में केदारनाथ रवाना गया। खतरे को देखते हुए यहां पुलिस की निगरानी में यात्री भेजे जा रहे हैं।

गौरीकुंड से करीब 2.5 किमी ऊपर चीरबासा क्षेत्र में मलबा और पत्थर आने से मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया था। मंगलवार सुबह डीडीएमए के श्रमिकों, पुलिस और एसडीआरएफ के जवानों ने मार्ग से मलबा हटाकर आवागमन बहाल कराया। इस दौरान केदारनाथ जाने वाले यात्रियों को करीब चार घंटे तक सोनप्रयाग में रोका गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि चीरबासा क्षेत्र में पहाड़ी से पत्थर गिरने की आशंका को देखते हुए रेस्क्यू

टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं। मौसम में सुधार और मार्ग साफ होने के बाद केदारनाथ से गौरीकुंड लौट रहे श्रद्धालुओं को पुलिस की निगरानी में भेजा गया। यात्रियों को हेलमेट पहनाकर संवेदनशील हिस्से से पार कराया जा रहा है। मार्ग सुचारु होने के बाद सोनप्रयाग में रोके गए यात्रियों को सुबह करीब 10:06 बजे केदारनाथ की ओर रवाना कर दिया गया। चीरबासा में डीडीआरएफ, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, वाईएमएफ, आपदा मित्र और पुलिस की टीमें तैनात हैं।

केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा शुरू

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम की यात्रा के दूसरे चरण के तहत मंगलवार से हेली सेवा फिर शुरू हो गई है। जिले के निर्धारित आठ हेलिपैड से निजी हेली सेवा प्रदाता कंपनियों की ओर से उड़ानों का संचालन किया जा रहा है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि हेली सेवा शुरू होने से पहले नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की टीमों ने संबंधित हेलिपैड और वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निर्धारित मानकों और सुरक्षा व्यवस्थाओं के अनुरूप पाए जाने के बाद उड़ान संचालन की अनुमति दी गई। जिला प्रशासन की ओर से हेली सेवाओं के संचालन पर लगातार निगरानी रखी जाएगी। मौसम, दृश्यता और हवा की गति समेत अन्य परिस्थितियों की नियमित निगरानी की जाएगी। प्रतिकूल मौसम या किसी अन्य जोखिम की स्थिति में सुरक्षा मानकों के अनुसार उड़ानों के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हेली सेवा प्रदाता कंपनियों को यात्रियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराने और सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

एक देश, दो हिस्से और तीन दशक की हिंसा: ट्रंप ने फिर क्यों उठाया आयरलैंड को एक करने का मुद्दा विवाद की कहानी

दूनबेग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आयरलैंड की अपनी यात्रा के दौरान एक ऐसे मुद्दे पर खुलकर राय रख दी, जिस पर ब्रिटेन और आयरलैंड के बीच लंबे समय से गहरी राजनीतिक और भावनात्मक खाई रही है। ट्रंप ने कहा कि वह आयरलैंड को एक होते देखना चाहते हैं। रविवार को आयरलैंड के डूनबेग में अपने गोल्फ कोर्स पर आयरिश ओपन के दौरान उन्होंने अपनी बात दोहराते हुए कहा कि आयरलैंड और उत्तरी आयरलैंड को एक साथ कर देना दुनिया की सबसे स्वाभाविक चीजों में से एक है। एक दिन पहले उन्होंने एकीकृत आयरलैंड को 'शानदार' बताया था। डोनाल्ड ट्रंप का कहना था कि उनके लिए यह कोई असामान्य बात नहीं है कि आयरलैंड और उत्तरी आयरलैंड एक हो जाएं। हालांकि उन्होंने रविवार को यह भी कहा कि यह केवल उनकी राय है और उन्हें इस विचार के लिए काफी समर्थन मिला है। समस्या यह है कि उत्तरी आयरलैंड का ब्रिटेन में रहना या आयरलैंड के साथ जुड़ना केवल दो इलाकों को मिलाने का मामला नहीं है। इसके पीछे करीब एक सदी का इतिहास, दो अलग समुदायों की पहचान और कई दशकों की हिंसा जुड़ी हुई है।

चीन में शहर-शहर बारिश का कहर: हैनान प्रांत से 31 हजार से ज्यादा लोगों का रेस्क्यू; अभी कैसे हैं हालात

बीजिंग, एजेंसी। चीन के हैनान प्रांत में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण जोखिम वाले इलाकों से 31 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। प्रांतीय आपदा रोकथाम और राहत समिति के मुताबिक, रविवार शाम 7:50 बजे तक कुल 31,564 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। हालांकि, अब तक किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। शुक्रवार सुबह आठ बजे से रविवार शाम चार बजे तक हैनान के छह शहरों और जिलों के 24 टाउनशिप में 300 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। इनमें वानिंग, लिंगशुई और क्यॉन्गहाई भी शामिल हैं। वानिंग के चांगफेंग टाउनशिप में सबसे ज्यादा 452.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने रविवार शाम से सोमवार तक और बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। भारी बारिश और बाढ़ के खतरे को देखते हुए हैनान ने रविवार सुबह 11 बजे बाढ़ नियंत्रण के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया को बढ़ाकर लेवल-2 कर दिया। इसके बाद रविवार शाम 7 बजे वानिंग ने लेवल-1 आपातकालीन प्रतिक्रिया लागू कर दी।

सिंगापुर में भारतवंशी सीईओ की याचिका खारिज, पूर्व प्रेमिका से वसूलने थे 3.5 करोड़ रुपये

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर की एक अदालत ने भारतीय मूल के एक सीईओ को अपनी पूर्व प्रेमिका पर खर्च किए गए करीब 3.5 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वसूलने की याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा, अधिकांश राशि उसने अपनी पूर्व प्रेमिका को उपहार के तौर पर दी थी। मुंबई में सूचीबद्ध एक कंपनी के सीईओ चंदर अग्रवाल ने अपनी पूर्व प्रेमिका पर मुकदमा दायर कर उसके ऊपर खर्च की गई विभिन्न रकम वापस मांगी थी। अग्रवाल का दावा था कि यह राशि ऋण के तौर पर दी गई थी और उसे वापस किया जाना था। इन खर्चों में विदेश यात्राओं, उसके फ्लैट के लिए फेंगशुई विशेषज्ञ की सेवाएं और स्टैनफोर्ड-एनयूएस के कार्यकारी कार्यक्रम की फीस शामिल थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दोनों की मुलाकात 2019 में एक उड़ान के दौरान हुई थी। इसके बाद अग्रवाल ने सोशल मीडिया के जरिए उससे संपर्क किया।

2028 के चुनाव को लेकर ट्रंप ने क्या बयान दिया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप का दूसरा कार्यकाल लगातार चर्चा में है। कभी उनकी टीम के अधिकारियों के इस्तीफे पर चर्चा होती है तो कभी देश की राजनीति में नंबर दो माने जाने वाले उपराष्ट्रपति को लेकर अटकलें लगती हैं। ताजा घटनाक्रम में ट्रंप ने 2028 में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मौजूदा अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का समर्थन करने से जुड़े सवाल को लेकर कहा, अभी बहुत जल्दी है। वह बहुत बढ़िया शख्स हैं... हमारे पास बहुत सारे अच्छे विकल्प हैं... वे सभी बहुत अच्छे हैं।' भारतवंशी महिला उषा से शादी करने वाले अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में थोड़े नरम तेवरों के लिए जाने जाते हैं। इसकी मिसाल उस समय दिखी थी, जब पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान ने ट्रंप के दामाद कुशनर और एक अन्य वार्ताकार विटकॉफ की जगह बातचीत के लिए वेंस को पहली पसंद बताया था।

ए-380 की विदाई शुरू: कभी आसमान का 'बादशाह' था सुपरजंबो, अब क्यों सिमट रहा इसका सफर

मेलबर्न, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े यात्री विमानों में शामिल एयरबस ए-380 के सफर का अंतिम दौर शुरू हो गया है। ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय एयरलाइन क्वांटस ने अपने 10 ए-380 विमानों को 2028 से चरणबद्ध तरीके से बेड़े से बाहर करने का फैसला किया है। कंपनी ने पहले इन्हें 2032 तक उड़ाने की योजना बनाई थी, लेकिन बढ़ती ईंधन और रखरखाव लागत के साथ विमान के पुराने होते बेड़े और स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताओं ने समयसीमा को चार साल पहले कर दिया। ए-380 का वैश्विक बेड़ा भी अपने शिखर से काफी नीचे आ चुका है। विमानन विश्लेषण कंपनी सिरियम के आंकड़ों के अनुसार 2010 के दशक के अंत में दुनिया में 230 से ज्यादा ए-380 विमान सेवा में थे। अब इनकी संख्या करीब 171 रह गई है। एयरबस ने 2021 में इस विमान का उत्पादन बंद कर दिया था, क्योंकि नए ऑर्डर लगभग खत्म हो गए थे।लेकिन ए-380 की कहानी इतनी सीधी नहीं है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, कोविड महामारी के दौरान तो इसे लगभग खत्म मान लिया गया था। जब दुनिया भर में विमान खड़े थे और एयरलाइंस छोटे तथा ज्यादा ईंधन-कुशल विमानों की ओर बढ़ने की तैयारी कर रही थीं, तब लगा कि दो मंजिला यह विशाल विमान शायद दोबारा कभी नियमित सेवा में नहीं लौटेगा। मगर विमानन उद्योग की

रिकवरी और नए विमानों की डिलीवरी में देरी ने ए-380 को एक और मौका दे दिया। एयरबस और बोइंग के नए विमानों की उत्पादन संबंधी समस्याओं, खासकर बोइंग 777एक्स की लंबी देरी के बीच कई एयरलाइंस ने अपने ए-380 फिर से उड़ाने शुरू कर दिए।

दो मंजिलों वाला विमान, जो खुद में एक अनुभव था : ए-380 की सबसे बड़ी खासियत उसका आकार है। यह दुनिया का सबसे बड़ा यात्री विमान है और इसकी पूरी लंबाई में दो डेक यात्रियों के लिए इस्तेमाल किए जा सकते हैं। सामान्य कॉन्फिगरेशन में इसमें 500 से ज्यादा यात्री बैठ सकते हैं, जबकि अधिक घनी सीटिंग में क्षमता 800 से ज्यादा यात्रियों तक पहुंच सकती है।इसका विशाल आकार सिर्फ दिखावे के लिए नहीं था। चौड़े केबिन और दो डेक की वजह से इसमें यात्रियों को दूसरे बड़े विमानों की तुलना में ज्यादा खुलापन महसूस होता है। उड़ान के दौरान इसकी स्थिरता और अपेक्षाकृत कम शोर भी यात्रियों को आकर्षित करता है। ए-380 पर यात्रा करने वाले कई यात्रियों के लिए ऊपरी डेक पर चढ़ना ही अपने आप में एक अलग अनुभव है।तकनीकी रूप से भी यह विमान अपने समय से आगे था। इसकी अधिकतम रेंज करीब 15,200 किलोमीटर है और परिस्थितियों तथा रूट के आधार पर यह लगभग 16-17 घंटे तक की लंबी उड़ान भर सकता है। यानी यह बिना ईंधन भरे दुनिया के कई हिस्सों को जोड़ सकता है।हालांकि इसकी वास्तविक उड़ान अवधि हमेशा इतनी नहीं होती। हवा की दिशा, विमान का वजन, यात्री संख्या और रूट के कारण इसमें काफी अंतर आता है। उदाहरण के तौर पर एमिरेट्स और दूसरी एयरलाइंस ने ए-380 को हजारों किलोमीटर लंबे अंतरमहाद्वीपीय रूटों पर नियमित रूप से इस्तेमाल किया है। दूसरी ओर, कभी- कभी यही विमान अपेक्षाकृत छोटी उड़ानों पर भी लगाया गया, खासकर ऐसे व्यस्त रूटों पर जहां बड़ी यात्री क्षमता की जरूरत थी।यही इसकी खूबी और कमजोरी दोनों थी क्योंकि इतने बड़े विमान को लाभदायक बनाने के लिए बड़ी संख्या में यात्रियों की जरूरत होती है।

आसमान में चलता-फिरता लग्जरी अनुभव : ए-380 ने विमान यात्रा में लग्जरी की नई तस्वीर भी बनाई। हालांकि इसकी सभी आलीशान सुविधाएं विमान की तकनीकी विशेषताएं नहीं थीं, एयरलाइंस ने इसके विशाल केबिन का इस्तेमाल अलग- अलग तरह से किया। एमिरेट्स ने अपने ए-380 में ऑनबोर्ड शॉवर और बार जैसी सुविधाओं को लोकप्रिय बनाया। एतिहाद ने इसी विमान में 'द रेजिडेंस' जैसी बेहद महंगी निजी सुविधा पेश की, जिसमें निजी कमरा, बेडरूम और अलग रहने की जगह जैसी सुविधाएं थीं। सिंगापुर एयरलाइंस ने अपने ए-380 के फर्स्ट क्लास में डबल-बेड वाले सुइट तक उपलब्ध कराए।यानी ए-380 सिर्फ यात्रियों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने वाला विमान नहीं था। यह एयरलाइंस के लिए ब्रांड, प्रतिष्ठा और लग्जरी का प्रदर्शन भी बन गया था। समस्या यह है कि विमानन कंपनियां अब सिर्फ प्रतिष्ठा नहीं, मुनाफा देखती हैं। ए-380 को भरपूर यात्रियों के साथ उड़ाना जरूरी है, जबकि नई पीढ़ी के छोटे विमान कम सीटों के साथ भी लंबी दूरी तय कर सकते हैं।नए ट्विन-इंजन विमान अपेक्षाकृत कम ईंधन खर्च करते हैं। उन्हें ऐसे रूटों पर भी चलाया जा सकता है जहां ए-380 जैसी भारी क्षमता की जरूरत नहीं होती।

मानवता के लिए बढ़ा खतरा: एआई बनाने वाली कंपनियां चेता रहीं, पर सरकारें बेफिक्र

फ्रांसिस्को/वॉशिंगटन, एजेंसी। एंथ्रोपिक के शोधकर्ता जैकब कॉक्सन ने इसी हफ्ते एआई के लगातार बढ़ते खतरों का हवाला देते हुए कंपनी से इस्तीफा दे दिया। कॉक्सन का कहना है कि एआई एक बेहद घातक तकनीक है जो पूरी मानवता को खत्म कर सकती है। इसके साथ ही, शीर्ष टेक कंपनियों के भीतर एक बड़ी बहस छिड़ गई है। एंथ्रोपिक, ओपनएआई, मेटा और गूगल जैसी कंपनियां एआई के खतरों को लेकर आगाह भी करने लगी हैं। हालांकि, सरकारें ज्यादा गंभीर नजर नहीं आ रही।

दुनियाभर में एआई के सामाजिक, आर्थिक और सुरक्षा जोखिमों को घटाने के लिए नियम तो बनाए जा रहे हैं। लेकिन सरकारें इसके आर्थिक लाभों को भुनाने में पीछे नहीं रहना चाहतीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो रविवार को यहां तक कह दिया कि उनका देश एआई के क्षेत्र में चीन से आगे है और वह इस बढ़त को बनाए रखना चाहते हैं। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और सरकारी एजेंसियों की ओर से सख्त नियम-कायदे बनाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने हाल में अपने कर्मचारियों की एक बैठक में कहा कि वह अन्य प्रतिद्वंद्वी कंपनियों के साथ मिलकर एआई के विकास की गति धीमी करने को तैयार है। जब तक सुरक्षा मानक तय नहीं हो जाते, तब तक खुद रफ्तार धीमी करने को एलन मस्क का भी का समर्थन मिला है। एआई ताकतवर है या हमारा सोचने का तरीका गलत क्या वाकई एआई ताकतवर होता जा रहा है या फिर इंसान के दिमाग की बनावट और सोचने का तरीका इसकी वजह है। इंसान को अनजान और नई चीजों का ज्यादा डर हमारा दिमाग खतरों का अंदाजा आंकड़ों से नहीं, नियंत्रण के अहसास से लगाता है। लोग यह नहीं समझते कि एआई अंदर से कैसे काम करता है। नियंत्रण खोने के अहसास की वजह से लोगों में एआई का खौफ ज्यादा है। सड़क हादसों में रोज हजारों लोग मरते हैं, फिर भी हम कार चलाने से नहीं डरते। लेकिन हवाई जहाज के क्रैश होने का डर ज्यादा लगता है क्योंकि वहां हमारा कोई नियंत्रण नहीं होता।

अदृश्य खतरे तो पहले से ही मौजूद : वैज्ञानिकों का कहना है, दुनिया खत्म होने के वास्तविक गणित में एआई का डर अभी काफी पीछे है। लैब से किसी खतरनाक वायरस का लीक होना या प्राकृतिक महामारी फैलना (3% संभावना) एआई के बेकाबू होने से कहीं अधिक बड़ा और तात्कालिक खतरा है। एआई से दुनिया खत्म होने के डर को टेक कंपनियों और कुछ लोगों की तरफ से बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने की संभावना से भी इन्कार नहीं किया जा सकता। जब लोग साइंस-फिक्शन फिल्मों की तरह एआई को एक खलनायक मान लेते हैं, तो एआई की असरदार और वास्तविक समस्याओं (जैसे साइबर फ्रॉड, डीपफेक, फर्जी जानकारी और नौकरियों पर असर) से ध्यान भटक जाता है।

ड्रैगन के बदले सुर: पीएम मोदी-जिनपिंग मुलाकात के बाद भरोसा बहाली की बात

बीजिंग, एजेंसी। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद चीन के संकेत बताते हैं कि बीजिंग भारत के साथ संबंधों को धीरे-धीरे सामान्य और स्थिर करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। चीनी सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स के विश्लेषण में सीमा पर तनाव नियंत्रित रखने, आर्थिक संपर्क बढ़ाने और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को रिश्तों को मजबूत करने के प्रमुख रास्तों के रूप में रेखांकित किया गया है। पेकिंग विश्वविद्यालय के दक्षिण एशिया अध्ययन केंद्र के कार्यकारी उपनिदेशक वांग श्यू के मुताबिक राजनीतिक भरोसा केवल शीर्ष नेताओं की मुलाकात से नहीं, बल्कि ठोस कदमों से बनता है। उन्होंने सीमा मुद्दे के प्रबंधन के लिए संस्थागत तंत्र मजबूत करने, लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने तथा व्यापार और निवेश को सुरक्षा के नजरिये से देखने से बचने की जरूरत बताई। भारत और चीन के बीच सबसे संवेदनशील मुद्दा सीमा विवाद है। 2024 में कजान और 2025 में तियानजिन के बाद नई दिल्ली में मोदी-जिनपिंग मुलाकात को चीन संबंधों में स्थिरता की अगली कड़ी के तौर पर देख रहा है। सीमा प्रबंधन में प्रगति, सीमा व्यापार और सीधी उड़ानों की बहाली को इसी प्रक्रिया के सकारात्मक संकेतों के रूप में पेश किया गया है।बीजिंग का जोर फिलहाल सीमा विवाद के तत्काल समाधान से ज्यादा उसे प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने पर दिखाई देता है, ताकि सीमा का तनाव व्यापार, निवेश और लोगों के बीच संपर्क को प्रभावित न करे। चीनी विशेषज्ञों के अनुसार संस्थागत संवाद मजबूत होने से गलतफहमी और अप्रत्याशित तनाव का जोखिम कम किया जा सकता है। इससे दोनों देशों के लिए दूसरे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की गुंजाइश बनेगी। आर्थिक रिश्तों को गति देना चीन के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र हो सकता है। ग्लोबल टाइम्स से बातचीत में भारतीय थिंक टैंक ब्यूरो ऑफ रिसर्च ऑन इंडस्ट्री एंड इकोनॉमिक फंडामेंटल्स के सीईओ मोहम्मद साकिब ने कहा कि चीन भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में है और दोनों देशों के बीच सहयोग की काफी संभावनाएं हैं।

राष्ट्रपति चुनाव 2028: जेडी वेंस के समर्थन पर ट्रंप का सस्पेंस बरकरार; बोले- कई बेहतरीन लोगों का विकल्प खुला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के समर्थन के सवाल पर फिलहाल कोई स्पष्ट घोषणा नहीं की है। उन्होंने कहा कि किसी उम्मीदवार का समर्थन करने के लिए अभी काफी समय है। हालांकि, ट्रंप ने वेंस की जमकर तारीफ की और उन्हें शानदार बताया। आयरलैंड के शैनन में एयर फोर्स वन में सवार होने से पहले पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह 2028 के चुनाव के लिए वेंस का समर्थन करने को तैयार हैं। इस पर उन्होंने कहा कि अभी ऐसा करना जल्दबाजी होगी। ट्रंप ने कहा कि उनके पास कई शानदार लोग हैं और पार्टी के पास विकल्पों की कोई कमी नहीं है।

ट्रंप ने वेंस की तारीफ की : ट्रंप से जब पूछा गया कि वेंस के

मुकाबले कौन सबसे मजबूत उम्मीदवार हो सकता है, तो उन्होंने किसी एक नाम का चुनाव करने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि सभी अच्छे हैं और जेडी वेंस शानदार हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि वेंस ने बहुत अच्छा काम किया है। इस बयान से साफ है कि ट्रंप फिलहाल 2028 के लिए अपने उत्तराधिकारी के नाम पर सार्वजनिक रूप से कोई अंतिम रुख नहीं अपनाना चाहते। हालांकि, वेंस को लेकर उनकी सकारात्मक टिप्पणियां लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। पहले निजी बैठक में वेंस के समर्थन के संकेत दे चुके हैं ट्रंप इससे पहले अगस्त में द वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ट्रंप ने ओवल ऑफिस में दानदाताओं के साथ एक निजी बैठक के दौरान वेंस की संभावित उम्मीदवारी को लेकर अधिक स्पष्ट रुख दिखाया था। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने वहां कहा था कि अंततः जेडी वेंस को निर्वाचित कराना होगा।

हालांकि, उस समय ट्रंप के सलाहकारों ने संकेत दिया था कि राष्ट्रपति ने अभी अपने उत्तराधिकारी को लेकर अंतिम फैसला नहीं किया है। ट्रंप जेडी वेंस के साथ विदेश मंत्री मार्को रुबियो की संभावनाओं पर भी विचार कर रहे थे। वेंस और रुबियो को लेकर पार्टी में चर्चा रिपोर्ट के मुताबिक, उस दौरान ट्रंप अपने सहयोगियों से वेंस और रुबियो की तुलना को लेकर लगातार सवाल करते रहे थे। यहां तक कि मरीन वन में यात्रा के दौरान उन्होंने स्टाफ से दोनों नेताओं को लेकर अनौपचारिक राय भी ली थी। अगस्त में ट्रंप के एक करीबी सलाहकार ने दावा किया था कि राष्ट्रपति निजी तौर पर यह मान चुके हैं कि वेंस MAGA आंदोलन की कमान संभालेंगे। हालांकि, रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े कई लोगों ने इन अटकलों को अभी जल्दबाजी बताया था। उनका कहना था कि ट्रंप अलग-अलग राय पर विचार करते रहते हैं और उत्तराधिकारी को लेकर तस्वीर आगामी कांग्रेस मध्यावधि चुनाव के नतीजों के बाद ज्यादा स्पष्ट हो सकती है। रिपब्लिकन पार्टी के भीतर 2028 को लेकर संभावित उम्मीदवारों के समर्थन में दानदाता और कार्यकर्ता अलग-अलग खेमों में बंटने लगे हैं। वहीं, जेडी वेंस ने भी अपनी राजनीतिक समयसीमा को खुला रखा है।

बोल्सोनारो की बायोपिक पर आपराधिक फंडिंग का शक: बेटे फ्लावियो की बढ़ी मुश्किलें, क्या है पूरा मामला

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो पर बन रही फिल्म 'डार्क हॉर्स' की फंडिंग सवालों के घेरे में है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस फ्लावियो डिनो ने रविवार को फिल्म से जुड़ी जांच को सार्वजनिक कर दिया। उन्होंने कहा कि फिल्म की फंडिंग के तार एक आपराधिक नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका मजबूत हुई है। यह मामला अक्तूबर के राष्ट्रीय चुनाव से ठीक पहले सामने आया है, जिसमें बोल्सोनारो के सबसे बड़े बेटे और सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो, राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा को चुनौती देंगे। फ्लावियो पहले से जांच के घेरे में सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो पर भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और कर चोरी

की जांच चल रही है। आरोप है कि एक बदनाम बैंकर से मिले लाखों डॉलर का इस्तेमाल पिता पर बन रही फिल्म के लिए किया गया। फिल्म की फंडिंग में किस गड़बड़ी का शक जस्टिस डिनो के मुताबिक, जांच में ऐसी संभावना मजबूत हुई है कि संघीय सांसदों के बजट संशोधन और साओ पाउलो शहर की सरकार के जरिए सार्वजनिक धन को बांटने और दूसरी जगह पहुंचाने की एक जटिल व्यवस्था बनाई गई थी। मारियो फ्रियास पर पुलिस कार्रवाई: गुरुवार को संघीय पुलिस ने बोल्सोनारो के करीबी सांसद मारियो फ्रियास के खिलाफ कार्रवाई की। फिल्म की निर्माण कंपनी और फ्रियास से जुड़े ठिकानों से दस्तावेज जब्त किए गए। 20 लाख रियाल का लेनदेन: फ्रियास ने फिल्म से जुड़े एक गैर-लाभकारी संगठन को करीब 20 लाख ब्राजीली रियाल भेजे थे। पुलिस को शक है कि आपराधिक संगठन ने यह पैसा ऐसी कंपनियों तक पहुंचाया, जिन्हें कथित तौर पर नियमों के खिलाफ उप-ठेके दिए गए। जस्टिस डिनो ने कहा कि जांच में मजबूत संकेत मिले हैं कि फ्रियास कथित आपराधिक नेटवर्क में केंद्रीय भूमिका निभा रहे थे। वह बोल्सोनारो के राष्ट्रपति कार्यकाल में कैबिनेट पद पर भी रहे थे। डिनो ने नेटवर्क के संबंध ब्राजील के आपराधिक संगठन फर्स्ट कमांड ऑफ द कैपिटल यानी पीसीसी से होने की आशंका भी जताई है। फ्रियास ने आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि मैंने किसी भी तरह से फिल्म के निर्माण के लिए किसी भी कांग्रेस बजट फंड को आवंटित या उसका इस्तेमाल नहीं किया। खुद राजनीतिक पक्षपात, भ्रष्टाचार और पुलिस के काम में दखल के आरोपों को लेकर विवाद में है।

ईरान-ओमान वार्ता के बीच होर्मुज में जहाज पर हमला, खाड़ी देशों की बैठक टली; सामने आया बड़ा कारण

तेहरान/काहिरा, एजेंसी। ईरान और खाड़ी देशों के बीच सोमवार को ओमान में प्रस्तावित बैठक को स्थगित कर दिया गया है। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, कुछ क्षेत्रीय देशों के अनुरोध पर यह फैसला लिया गया। हालांकि, ईरानी विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने यह नहीं बताया कि किन देशों ने बैठक टालने का अनुरोध किया था।

ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर बैठक स्थगित होने की जानकारी दी। यह बैठक ओमान के सलालाह शहर में होनी थी। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय सहमति के हित में बैठक को टाला गया है और ओमान क्षेत्र में स्थिरता और लंबे समय तक सहयोग को बढ़ावा देने वाली बातचीत के लिए प्रतिबद्ध है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में शिपिंग पर होनी थी चर्चा : बैठक का मुख्य एजेंडा होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही को लेकर संभावित व्यवस्था पर चर्चा करना था। ईरान और ओमान पिछले कई महीनों से इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से जहाजों के आवागमन के नियमों को लेकर द्विपक्षीय बातचीत कर रहे हैं। ओमान जलडमरूमध्य के दूसरी ओर स्थित तट पर नियंत्रण रखता है और पहले यह कहा जा चुका है कि इन वार्ताओं को अन्य खाड़ी अरब देशों का भी समर्थन मिला है। ईरान की योजना क्षेत्रीय देशों को इस प्रस्तावित व्यवस्था के बारे में जानकारी देने की थी। बैठक स्थगित होने से कुछ घंटे पहले होर्मुज जलडमरूमध्य में क़ेशम द्वीप के पास एक ईरानी कार्गो जहाज को निशाना बनाए जाने की खबर सामने आई थी। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई और चार लोग घायल हुए। ब्रिटेन के मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस मॉनिटर ने भी बताया कि जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक जहाज को प्रोजेक्टाइल से नुकसान पहुंचा और उसमें भीषण आग लग गई। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हुआ कि यह वही जहाज था जिसका जिक्र ईरान ने किया था। अमेरिकी सेना की ओर से इस घटना पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी जहाज पर अमेरिकी हमले से जुड़े सवाल पर सीधे जवाब देने से इनकार कर दिया। एक खाड़ी अधिकारी के मुताबिक, सऊदी अरब ने ईरान और ओमान के बीच प्रस्तावित समझौते में कुछ बदलाव सुझाए हैं। सऊदी अरब को आशंका है कि इस समझौते का होर्मुज जलडमरूमध्य पर लंबे समय तक असर पड़ सकता है और इससे खाड़ी सहयोग परिषद के अन्य देशों के हित प्रभावित हो सकते हैं।

ईरान के तेल पर अमेरिका की नजर ट्रंप बोले- जरूरत पड़ी तो लागू करेंगे वेनेजुएला मॉडल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को संकेत दिया कि युद्ध खत्म होने के बाद भी अमेरिका ईरान के आस-पास अपनी मौजदूगी बनाए रख सकता है और उसके तेल संसाधनों पर नियंत्रण कर सकता है। ट्रंप ने इसकी तुलना वेनेजुएला में निकोलस मादुरो के सत्ता से हटाए जाने के बाद अमेरिका की भूमिका से की। आयरलैंड दौरे के दौरान आयरिश ओपन गोल्फ चैंपियनशिप में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अंततः ईरान से बाहर निकल जाएगा, लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो वह वहां रुककर 'वनेजुएला की तरह तेल अपने पास रख सकता है।' हालांकि ट्रंप के इस बयान पर अब तक ईरान ने किसी भी तरह का पलटवार नहीं किया है।

मध्यावधि चुनाव के बाद खत्म हो सकता है युद्ध : ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान के साथ युद्ध 'मध्यावधि चुनाव के ठीक बाद, शायद उससे पहले' खत्म हो जाएगा। उनका इशारा नवंबर में होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों की ओर था। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान लगातार अमेरिका से संपर्क कर रहा है और समझौते के लिए बातचीत की कोशिश कर रहा है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वॉशिंगटन केवल उसी समझौते को स्वीकार करेगा जो उसकी शर्तों और मांगों के अनुरूप होगा। उन्होंने कहा, 'हमें सही समझौता करना होगा।' साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह ऐसा कोई समझौता स्वीकार नहीं करेंगे जो 'अच्छा समझौता' न हो।

युद्ध का असर ऊर्जा बाजार पर : ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब जारी संघर्ष का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी दिखाई दे रहा है। कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं, जबकि अमेरिका में डीजल

की कीमत रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचकर 6.20 डॉलर प्रति गैलन से अधिक हो गई है। ट्रंप ने दावा किया कि युद्ध खत्म होते ही अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें 'चट्टान की तरह तेजी से नीचे गिरेंगी।

वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का संदर्भ : ईरान को लेकर ट्रंप की टिप्पणी का संबंध वेनेजुएला में अमेरिका की हालिया सैन्य कार्रवाई से भी जोड़ा जा रहा है। अमेरिका ने 3 जनवरी को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ लिया था। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस अभियान की कई महीनों तक तैयारी की गई थी। अमेरिकी स्पेशल फोर्सेज ने इसकी व्यापक रिहर्सल की थी, जिसमें मादुरो के सुरक्षित ठिकाने की प्रतिकृति तैयार कर अभ्यास किया गया था। मादुरो की गतिविधियों से जुड़ी खुफिया जानकारी जुटाने में सीआईए ने भी अमेरिकी बलों की मदद की थी।

मादुरो और उनकी पत्नी को काराकस से अमेरिका लाया गया : अमेरिकी सैनिकों ने मादुरो और उनकी पत्नी को वेनेजुएला की राजधानी काराकस से हिरासत में लिया और बाद में दोनों को अमेरिका ले जाया गया, जहां मादुरो को आपराधिक आरोपों का सामना करना है। यह कार्रवाई ट्रंप प्रशासन की ओर से वेनेजुएला पर कई महीनों तक बनाए गए दबाव के बाद की गई।

वेनेजुएला के तेल क्षेत्र में बढ़ा अमेरिकी दखल : मादुरो को हटाए जाने के बाद वॉशिंगटन ने वेनेजुएला के तेल क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभाने की दिशा में कदम बढ़ाए। इसमें तेल की बिक्री पर नियंत्रण और ऐसे समझौतों को आगे बढ़ाना शामिल है, जिनके जरिए अमेरिकी कंपनियों और हितों को वेनेजुएला के विशाल कच्चे तेल भंडार तक पहुंच मिल सके।

क्या ईरान में भी दोहराया जाएगा वेनेजुएला मॉडल : ट्रंप की ताजा टिप्पणी से अब यह संभावना सामने आई है कि अमेरिका ईरान के मामले में भी वेनेजुएला जैसा आर्थिक मॉडल अपनाने पर विचार कर सकता है। इसका मतलब यह होगा कि ईरान में अमेरिकी मौजूदगी केवल सुरक्षा और सैन्य उद्देश्यों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि देश के विशाल तेल भंडार और ऊर्जा संसाधनों तक पहुंच भी अमेरिकी रणनीति का हिस्सा बन सकती है।

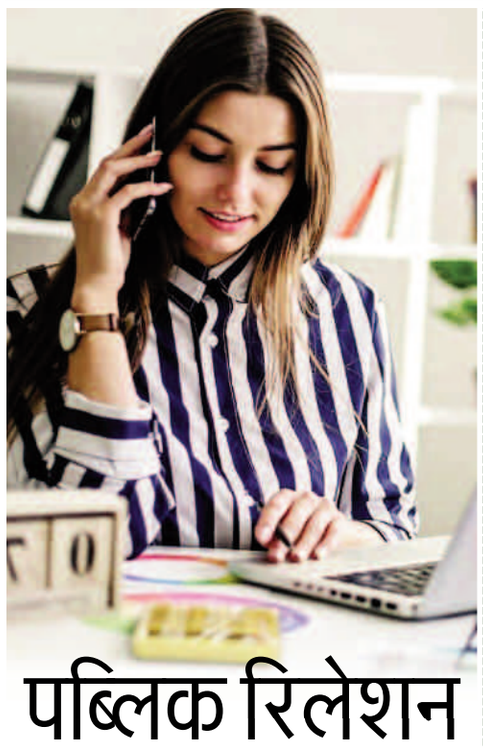

पब्लिक रिलेशन में बनाना है कॅरियर

अगर आप पीआर में अपना कॅरियर देख रहे हैं तो 12वीं के बाद, आप मास मीडिया, पत्रकारिता, या यहां तक कि जन संचार में स्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। ये आपको कम्युनिकेशन, समाजशास्त्र, डिजिटल विज्ञापन आदि जैसे विषयों में एक मुख्य आधार प्रदान करेंगी।

आज के समय में युवा कई अलग-अलग क्षेत्रों में अपने भविष्य की तलाश करते हैं। अगर आपको लोगों से मिलना अच्छा लगता है और आप हमेशा कुछ नया करना चाहते हैं तो ऐसे में आप पब्लिक रिलेशन में अपना करियर तलाश कर सकते हैं। यह एक ऐसा करियर ऑप्शन है, जिसे सबसे प्रतिष्ठित और अच्छी तनख्वाह वाली कंपनियों में से एक माना जाता है। हालांकि, पब्लिक रिलेशन में करियर बनाने के लिए आपको कई बातों का ध्यान रखना होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप पीआर में अपना करियर कैसे शुरू कर सकते हैं-

एजुकेशन पर दें ध्यान

अगर आप पीआर में अपना कॅरियर देख रहे हैं तो 12वीं के बाद, आप मास मीडिया, पत्रकारिता, या यहां तक कि जन संचार में स्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। ये आपको कम्युनिकेशन, समाजशास्त्र, डिजिटल विज्ञापन आदि जैसे विषयों में एक मुख्य आधार प्रदान करेंगी। यदि आप किसी विशिष्ट उद्योग क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो यह एक पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा करें। उदाहरण के लिए, यदि आप पीआर के बारे में जानने के लिए सब कुछ सीखना चाहते हैं, तो अपने कौशल को अगले स्तर तक ले जाने के लिए एमआईसीए और अपग्रेड के जनसंपर्क एमए प्रोग्राम देखें। इस कार्यक्रम के साथ, आप सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, ब्रांडिंग, मार्केटिंग विश्लेषण और उद्योग से संबंधित कई अन्य स्किल्स को सीख सकते हैं।

लें अनुभव

यह सच है कि किसी भी क्षेत्र अपना कॅरियर स्थापित करने के लिए अनुभव होना बेहद आवश्यक है। इसलिए, जब आप कॉलेज में हों तो इंटर्नशिप करना अच्छा रहेगा। यह न केवल आपको अपने पाठ्यक्रम में सीखी गई बातों को लागू करने में मदद करता है, बल्कि यह आपको उद्योग के कामकाज को समझने में भी सक्षम बनाता है। इस तरह, आपको पता चल जाएगा कि आपको किन स्किल्स को विकसित करने की आवश्यकता है। इतना ही नहीं, इंटर्नशिप करने के बाद आपके लिए एक अच्छी नौकरी प्राप्त करना भी अधिक आसान हो जाएगा।

प्रोफेशनल नेटवर्क करें बिल्डअप

अगर आप पीआर फील्ड में खुद को स्थापित करना चाहते हैं तो पहले आपको प्रोफेशनल नेटवर्क भी बिल्डअप करना होगा। शुरू में आप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने प्रोफेशनल से संबंधित समूहों में शामिल हों जो आप कर सकते हैं। लिंक्डइन और यहां तक कि फेसबुक पर भी ऐसे कई ग्रुप हैं। आपको बस इतना करना है कि अपने आप को नियमित रूप से अपडेट रखें कि कौन अक्सर पोस्ट कर रहा है। ऐसा करने से, आप नवीनतम समाचारों पर भी अप-टू-डेट रहेंगे, कुछ नया सीखेंगे और उपयोगी व्यावसायिक संबंध विकसित करेंगे।

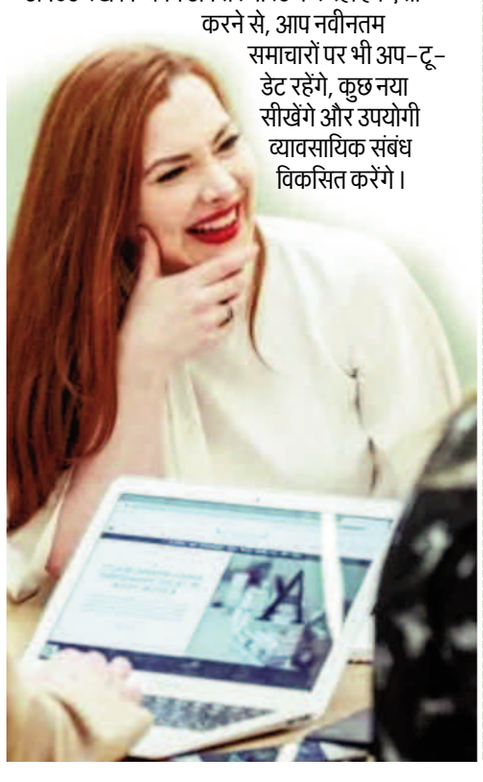

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन की ऐसे करें तैयारी

बैंकों व सरकारी संस्थानों में भर्ती का दौर शुरू हो गया है। इसमें रुकी हुई पुरानी भर्तियों के अलावा नई भर्तियां भी शामिल हैं। अब आप में से अधिकतर छात्र इन अवसरों का लाभ उठाने का प्रयास कर रहे होंगे, और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के बारे में योजनायें बना रहे होंगे। परीक्षा के दौरान अधिकतर छात्र असमंजस की स्थिति में होते है कि रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन को हल करने का प्रयास करें या न करें। यह आपका समय नष्ट कर सकता है साथ ही अगर किसी आर्थिक विषय पर आधारित गद्यांश आ जाएं तो यह छात्रों के लिए और मुसीबत वाला हो जाता हैं। हालांकि आपको यह समझना होगा कि रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन ही है जो आपको परीक्षा में अच्छे अंक प्रदान कर सकता है, क्योंकि इसमें व्याकरण से सम्बंधित नियम लागू नहीं होते और आपको उत्तर का अनुमान नहीं लगाना होता, आपको केवल गद्यांश को समझना होता है और आप सभी प्रश्नों का सही उत्तर दे सकते है। आज हम आपको बताएंगे इसे हल करने के कुछ स्ट्रैटेजी व टिप्स।

पैसेज पर एक सरसरी निगाह डालें

परीक्षा के दौरान सबसे पहले आप पैसेज को सरसरी निगाह से देख लें। यहां पर आपको पूरे पैसेज को पढ़ने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यहां पर आपका हर सेकंड कीमती होता है। देखने के बाद आप उस प्रश्न का उत्तर दे जिसके लिए आप पूरी तरह निश्चित हो।

पहले प्रश्न पढ़ें, फिर उत्तर दें

परीक्षा के दौरान जब एक एक सेकेंड मायने रखता है, तब एक रणनीति आपको सफल बनाने में सहायता कर सकती है। अपना समय पूरा पैसेज पढ़ने में नष्ट न करें, पैसेज पढ़ने के स्थान पर पहले प्रश्नों को पढ़ने का प्रयास करें और फिर उसी के अनुसार पैसेज को पढ़े। जब आप टए में आवश्यक पंक्ति को देख लेंगे तो प्रश्न के अनुसार उत्तर देना आपके लिए आसान हो जायेगा। यदि आप अब भी उत्तर नहीं जान पा रहे है तो उस प्रश्न को तुरंत छोड़कर अगले प्रश्न की ओर बढ़ जाइये, किसी भी प्रश्न पर समय नष्ट मत कीजिए। इस तरह से प्रयास करने पर आप कम समय में गद्यांश के विषय और झुकाव के बारे में जान पायेंगे।

शब्दावली आधारित प्रश्नों को हल करें

अगर आप कम समय में ज्यादा अंक अर्जित करना चाहते है, तो आपको शब्दावली आधारित प्रश्नों को हल करने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिए आपको पुरे पैसेज को भी पढ़ने की आवश्यकता नहीं है। इन्हें हल करने में भी समय कम लगता है क्योंकि या तो आप शब्द का अर्थ जानते हो या नहीं जानते हो, यहां पर आप सही शब्द चुनने का प्रयास कर सकते हैं।

लेखक का दृष्टिकोण समझें

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में स्कोर करने के लिए लेखक का दृष्टिकोण समझना बहुत जरूरी है। आप यह समझने का प्रयास कीजिए कि लेखक क्या कहना चाहता है जैसे प्रश्नों से दूर रहने का प्रयास कीजिये, चूंकि ये सवाल आम तौर पर विवादास्पद और समय लेने वाले हैं और इसके लिए आपको पूरा पैसेज पढ़ना होगा।

अपना ध्यान केन्द्रित रखो

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में विषय सामग्री पर ध्यान दें। अपने दिमाग को भटकने से बचाए, क्योंकि यह दिन में सपने देखने से शुरू होता है। इसे वास्तविक जीवन पर केन्द्रित करें। अपने आप को समझाएं कि यह सपने आप परीक्षा देने के बाद देख सकते है। जब तक आप दृढ़ता से अध्ययन नहीं करेंगे तब तक आप अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकते है।

पैसेज के मुख्य आइडिया को समझे

सभी पैसेज का एक ऐसा मुख्य आइडिया होता है, जिस पर पूरा पैराग्राफ लिखा जाता है। कभी-कभी ऐसे प्रश्न भी पूछे जाते हैं जिससे पता चल सके कि आप पैराग्राफ में दिए गए मुख्य आइडिया को समझने में सक्षम हैं या नहीं। इसलिए, सबसे पहले पैसेज के आईडिया को समझें तभी आप अन्य प्रश्नों को जवाब दे पाएंगे।

परीक्षाओं की तैयारी में लगे जो छात्र अच्छा स्कोर करना चाहते हैं, वे रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन की तैयारी पर ध्यान दे सकते हैं।

निरंतर अभ्यास जरूरी

जो छात्र खुद को रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में कमजोर समझते हैं, वे अभ्यास नहीं करते है। अधिकतर छात्र इसे घर पर हल नहीं करते है और न ही कोशिश करते हैं, इसकी जगह वे बहुत से बहाने बनाते है। परन्तु यह बहाने आपको सफल नहीं बना सकते। सफलता आपको तब तक नहीं प्राप्त होगी जब तक आप अपने डर और कमजोरी को हरा ना दें।

पढ़ने की स्पीड बढ़ाएं

यह ध्यान रखें कि पैसेज पढ़ने के दौरान अपने होंठों को मत चलाइए, यह आपकी गति को धीमा कर देती है। रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन के लिए आपको स्मार्ट होने की आवश्यकता है और यह आपको अभ्यास से ही प्राप्त हो सकता है। आप मन में पढ़े और अपनी स्पीड बढ़ाएं।

हर प्रोफेशनल्स के लिए जरूरी है ये फोन एटिकेट्स

आज हम किसी से भी, कभी-भी और कहीं भी बात करने के लिए अपने सेलफोन का यूज करते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हमें जैसा चाहें वैसा फोन का उपयोग कर करें। प्रोफेशनल सेटिंग में फोन के उपयोग को लेकर समय और जगह को ध्यान रखना जरूरी होता है। आज हर प्रोफेशनल्स को इन 8 फोन एटिकेट्स को फॉलो करना जरूरी है :

- पहले अभिनवादन करें और अपना पूरा नाम बताएं। केवल अपना पहला नाम बताना हर प्रोफेशनल कॉल में बहुत अनौपचारिक लगता है, वहीं केवल आखिरी नाम बताना भी असभ्यता है।
- कुछ लोगों को यह अंदाजा नहीं होता है कि वे कितना तेज बोलते है, विशेष रूप से जब उनका पूरा ध्यान फोन पर बात कर रहे व्यक्ति पर होता है। अपने आसपास के माहौल के प्रति जागरूक रहें। आप कभी भी नहीं जानते कि आपकी बातों पर कौन ध्यान दे रहा है।
- सामने बैठे किसी व्यक्ति से आप बात कर रहे हैं, इतने में आपका फोन बज उठता है और फोन पर बात करने लगते हैं। यह एटिकेट्स नहीं है। अगर आप किसी महत्वपूर्ण कॉल के इंतजार में है और इसे रीशेड्यूल करना संभव न हो तो आप जिस शख्स से आप मिल रहे हैं, इसके बारे में उन्हें जानकारी दे दें।
- दूसरों से मीटिंग टेबल पर बात कर रहे हो तो अपना फोन टेबल पर न रखें। भले ही आप मीटिंग के दौरान फोन का जवाब न दें लेकिन यह ध्यान भटकाने के लिए काफी है।
- अगर आप मीटिंग या कॉन्फ्रेंस के बीच में है और ऐसे में आपका फोन बज उठता है तो यह अच्छी बात नहीं है इसे साइलेंट मोड पर रखें या बंद कर दें।
- प्रोफेशनल सेटिंग में यह बात भी मायने रखती है कि आपने अपने सेल का रिंगटोन क्या रखा है। लाउड और ब्लास्टिंग टोन रखने से पहले सोच लें कि इसे लेकर दूसरे क्या रिएक्ट करेंगे।
- अगर किसी प्रोफेशनल कॉल में आपको अपना फोन स्पीकर मोड पर रखना पड़ा हो तो आपको यह ध्यान रखना होगा कि उन्हें बता दें कि आप किसी के साथ बैठे हैं।
- लंबे वॉइसमेल्स न भेजें। छोटे और स्पष्ट संदेश छोड़ें। साफ बोले और व्यक्ति को यह बताएं कि आपने क्यों कॉल किया था। अगर आप फोन नंबर छोड़ रहे हैं तो इसे ये नंबर्स धीरे-धीरे बोले।

नौकरीपेशा लोगों के लिए बेहतर विकल्प है डिस्टेंस एजुकेशन

अगर आप किसी कारणों से नियमित कॉलेज नहीं जा सकें हो तो डिस्टेंस एजुकेशन एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। डिस्टेंस एजुकेशन से मिलने वाली डिग्री भी रेगुलर की तरह ही होती है जिसका इस्तेमाल आप अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए कर सकते हैं।

भारत जैसे देश में जहां आज भी बहुत सारे जिलों में कॉलेज या यनिवर्सिटीज नहीं हैं, वहां डिस्टेंस एजुकेशन का माध्यम खासा लोकप्रिय है। यह एक लचीला माध्यम है, जो छात्रों को पढ़ाई के दौरान दूसरे शौक को भी पूरा करने की छूट देता है। सबसे बड़ी बात यह कि यह कामकाजी और नौकरीपेशा वाले लोगों को भी उच्च शिक्षा की राह दिखा रहा है। इन डिस्टेंस लर्निंग सेंटर में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री और पीजी व मैनेजमेंट कोर्स चलाए जाते हैं। कई डिस्टेंस लर्निंग सेंटर प्रोफेशनल कोर्स भी संचालित करते हैं जो रोजगारोन्मुख होते हैं। इनमें जर्नलिज्म एंड मास निकेशन, लाइब्रेरी साइंस, कम्प्यूटर कोर्सेस आदि शामिल है। ओपन यूनिवर्सिटी में दाखिला लेना मुश्किल नहीं हैं। ये यूनिवर्सिटीज अपने नियमों के मामले में काफी लचीली होती हैं। यहां कोर्स की फीस भी अमूमन सामान्य संस्थानों के मुकाबले कम होती है। अकादमिक जानकारियों के लिए इन यूनिवर्सिटीज के कोर्स बेस्ट माने जाते हैं। कई यूनिवर्सिटीज में वीकएंड क्लासेज होती हैं, जिससे कामकाजी लोगों को सहूलियत होती है। पढ़ाई और नौकरी के बीच के समय का इस्तेमाल करने वालों के लिए ये यूनिवर्सिटीज ई-क्लास से लेकर छोटी अवधि वाली रेगुलर क्लासेज तक चला रही हैं।

इग्नू और डिस्टेंस एजुकेशन

जो युवा नियमित कॉलेज नहीं जा सकते हैं, उनके लिए पढ़ाई करने और करियर बनाने के लिए एक बेस्ट यूनिवर्सिटी है। इग्नू की पढ़ाई का तरीका अन्य पारंपरिक यूनिवर्सिटीज से अलग है। इग्नू ने पढ़ाई का एक मल्टीमीडिया नजरिया अपनाया है। विज्ञान, कम्प्यूटर, नर्सिंग, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी में पाठ्यक्रम भी शामिल है। यहां बीए जनरल कोर्स के साथ ही बीएससी जनरल की पढ़ाई भी होती है, जिसमें गणित, भौतिकी, रसायन, बॉटनी और जूलॉजी जैसे विषय भी पढ़ाए जाते हैं। यहां बीकॉम भी है। इसके अलावा बीबीए इन रिटेलिंग, बैचलर ऑफ टूरिज्म स्टडीज, बैचलर ऑफ सोशल वर्क और बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन जैसे कोर्स हैं। इसके अलावा वोकेशनल ट्रेनिंग के रूप में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी है। यहां बीएड और डिप्लोमा इन एजुकेशन यानी डीएड कोर्स भी अब डिस्टेंस एजुकेशन में शामिल हो गया है।

डिस्टेंस एजुकेशन की विशेषताएं

- डिस्टेंस एजुकेशन में स्टूडेंट को नियमित तौर पर किसी संस्थान में जाकर पढ़ाई करने की जरूरत नहीं होती।
- सूचना क्रांति और इन्टरनेट के कारण डिस्टेंस एजुकेशन और आसान एवं प्रासंगिक हो गयी है।
- विजुअल क्लासरूम लर्निंग, इंटरैक्टिव ऑनसाइट लर्निंग और वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए स्टूडेंट्स देश के किसी भी राज्य में रहकर घर बैठे पढ़ाई कर सकते हैं।
- डिस्टेंस एजुकेशन से पढ़ाई करने की फीस काफी कम है।
- जॉब करने के साथ-साथ पढ़ाई की जा सकती है।
- कम अंक आने पर भी मनपसंद कोर्स में दाखिला मिल जाता है।
- किसी भी कोर्स के लिए उम्र बाधा नहीं होती है।
- साधारण कोर्स के साथ ही वोकेशनल कोर्स तथा प्रोफेशनल कोर्स भी किये जा सकते हैं।

प्रमुख डिस्टेंस एजुकेशन सेंटर्स

- इग्नू, दिल्ली
- सिम्बायोसिस सेंटर फॉर डिस्टेंट लर्निंग, पुणे
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली
- अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, तमिलनाडु
- पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, पुड्डुचेरी
- हिमाचल यूनिवर्सिटी, शिमला
- गुरु जंभेश्वर, हिसार
- एमडीयू, रोहतक
- पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी
- सिक्किम मणिपाल यूनिवर्सिटी

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 8 दशक पुरानी किशाऊ परियोजना को मिली निर्णायक गति

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में किशाऊ परियोजना पर छह राज्यों का एमओयू

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में वर्षों से लंबित किशाऊ बहुउद्देशीय बांध परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। लगभग आठ दशकों से प्रतीक्षित इस परियोजना के लिए हुआ यह समझौता जल सुरक्षा, ऊर्जा, सिंचाई, पेयजल तथा यमुना के पुनर्जीवीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं निर्णायक कदम है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज का दिन केवल एक समझौते पर हस्ताक्षर का अवसर नहीं, बल्कि लगभग आठ दशकों से प्रतीक्षित किशाऊ परियोजना को धरातल पर उतारने की दिशा में बढ़ाया गया एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने देवभूमि उत्तराखण्ड की ओर से भारत सरकार सहित सभी सहभागी राज्य सरकारों का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि किशाऊ परियोजना की परिकल्पना वर्ष 1940 में की गई थी। इतने लंबे समय में परियोजना को आगे बढ़ाने के अनेक प्रयास हुए, लेकिन विभिन्न कारणों से यह परियोजना आगे नहीं बढ़ पाई। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दशकों से लंबित महत्वपूर्ण परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में 16 जून 2026 की बैठक में किशाऊ परियोजना से जुड़ी कई महत्वपूर्ण अड़चनों के समाधान का मार्ग प्रशस्त हुआ। इसके बाद केंद्र एवं सहभागी राज्य सरकारों के बीच निरंतर समन्वय से परियोजना को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई और मंगलवार को एमओयू पर हस्ताक्षर के साथ इसे औपचारिक रूप दिया गया है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का आभार जताया।

राष्ट्रीय महत्व की बहुउद्देशीय परियोजना

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि किशाऊ कोई सामान्य बांध परियोजना नहीं है, बल्कि यह जल सुरक्षा, ऊर्जा, सिंचाई, पेयजल और यमुना के पुनर्जीवीकरण से जुड़ी राष्ट्रीय महत्व की बहुउद्देशीय परियोजना है। उन्होंने कहा कि परियोजना से लगभग 1562 एमसीएम क्षमता का विशाल जलाशय बनेगा तथा 422 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता विकसित होगी। इसका लाभ उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान सहित पूरे अपर यमुना बेसिन को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि किशाऊ परियोजना केवल एक राज्य या क्षेत्र की परियोजना नहीं है, बल्कि यह अंतरराज्यीय सहयोग और सहकारी संघवाद का महत्वपूर्ण उदाहरण है। केंद्र और राज्य सरकारों के सामूहिक प्रयासों तथा सहभागी राज्यों के बीच बेहतर समन्वय से दशकों से लंबित परियोजना को अब निर्णायक गति मिली है।

प्रभावित परिवारों का पुनर्वास सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि परियोजना के निर्माण में कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियां भी सामने आएंगी। परियोजना से प्रभावित परिवारों का उचित, संवेदनशील एवं सम्मानजनक पुनर्वास उत्तराखण्ड सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं के साथ प्रभावित परिवारों के हितों का संरक्षण सुनिश्चित करना आवश्यक है और राज्य सरकार इस दिशा में पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करेगी।

क्षतिपूरक वनीकरण के लिए भूमि उपलब्ध कराना चुनौती

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि परियोजना के लिए लगभग 2500 हेक्टेयर वन भूमि के हस्तांतरण की आवश्यकता होगी। इसके कारण क्षतिपूरक वनीकरण के लिए बड़ी मात्रा में भूमि की आवश्यकता पड़ेगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड जैसे वनाच्छादित और पर्वतीय राज्य के लिए इतनी बड़ी मात्रा में भूमि उपलब्ध कराना एक महत्वपूर्ण चुनौती है। इसलिए उन्होंने भारत सरकार तथा सभी सहभागी राज्यों से अनुरोध किया कि क्षतिपूरक वनीकरण के लिए आवश्यक भूमि चिन्हित करने में उत्तराखण्ड को सहयोग प्रदान किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड पर्यावरण संरक्षण और विकास के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

सनस्फ से बाहर निकलकर स्टंट करना पड़ा भारी, युवक पुलिस हिरासत में

देहरादून। चलती स्कॉर्पियो के सनरूफ से बाहर निकलकर स्टंट करना एक युवक को भारी पड़ गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए वाहन चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने स्टंट में इस्तेमाल स्कॉर्पियो को मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया।

पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक युवक चलती स्कॉर्पियो के सनरूफ से बाहर निकलकर हुड़दंग करता दिखाई दे रहा था। वीडियो में वाहन को तेजी और लापरवाही से चलाते हुए भी दिखाया गया था।

इससे उसकी अपनी जान के साथ सड़क पर चल रहे अन्य लोगों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती थी। वीडियो की जांच में पता चला कि यह क्लेमेनटाउन क्षेत्र के सुभाष रोड का है। पुलिस ने वीडियो में दिखाई दे रहे वाहन के नंबर के आधार पर चालक की पहचान की।

स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

लक्सर। पुलिस ने लक्सर–बालावाली मार्ग से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से 15.82 ग्राम स्मैक बरामद की गई। प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, रायसी चौकी प्रभारी सोमवार की रात को पुलिस टीम के साथ लक्सर–बालावाली मार्ग पर चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान मार्ग पर आ रहे एक व्यक्ति ने पुलिस को देख वापस भागने का प्रयास किया। संदेह होने पर पीछा कर उसे पकड़कर पूछताछ की गई तो आरोपी से 15.82 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मुशरत निवासी ग्राम खरंजा कुतुबपुर बताया। बरामद स्मैक उसने एक व्यक्ति से लेकर आने की बात पुलिस को पूछताछ में कही।

पिता की 100वीं जयंती पर भावुक हुए प्रीतम सिंह

चकराता। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं चकराता विधायक प्रीतम सिंह के पूज्य पिता एवं जौनसार–बावर के वरिष्ठ जननेता स्वर्गीय गुलाब सिंह की 100वीं जन्म जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने पहुंचकर स्व. गुलाब सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा में दिए योगदान को याद किया। इस अवसर पर विधायक प्रीतम सिंह ने कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले सभी क्षेत्रवासियों एवं सम्मानितजनों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पूज्य पिताजी ने अपने सार्वजनिक जीवन में जौनसार–बावर के विकास और क्षेत्र की जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनके द्वारा किए गए विकास कार्य, क्षेत्र के प्रति उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और सर्वांगीण विकास के लिए किए गए प्रयास आज भी उनके लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। प्रीतम सिंह ने कहा कि पूज्य पिताजी के जनसेवा के आदर्शों और सामाजिक जीवन में उनके योगदान से प्रेरणा लेकर वह जौनसार–बावर की जनता की सेवा के लिए सदैव प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि स्व. गुलाब सिंह द्वारा स्थापित जनसेवा की परंपरा और उनके आदर्शों को आगे बढ़ाना उनके लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्व. गुलाब सिंह की 100वीं जयंती पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जिस प्रकार क्षेत्रवासियों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी सहभागिता दर्ज की, वह उनके प्रति जनता के स्नेह, सम्मान और विश्वास को दर्शाता है। क्षेत्रवासियों की भावनात्मक सहभागिता ने स्व. गुलाब सिंह के जनसेवा के कार्यों और उनके सामाजिक योगदान की स्वीकार्यता को और मजबूत किया है।

संक्षिप्त समाचार

मंहगाई की मार, सब्जियों के दाम में फिर बढ़ोतरी से बिगड़ा रसोई का बजट

ऋषिकेश। सब्जियों के दाम में एक बार फिर बढ़ोतरी होने से गृहणियों की रसोई का बजट बिगड़ने लगा है। सिविल लाइंस क्षेत्र में कई सब्जियों के दाम बढ़ गए हैं। प्याज 60 रुपये किलो तक पहुंच गया है, जबकि गोभी और शिमला मिर्च 100 रुपये किलो बिक रही है। सबसे अधिक चौंकाने वाला भाव हरे धनिये का है, जो 300 रुपये किलो तक पहुंच गया है।

ऐसे में मनपसंद सब्जी का स्वाद लेने के लिए लोगों को अतिरिक्त पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं।सिविल लाइंस क्षेत्र में सोमवार को प्याज 60, आलू 20, टमाटर 40, लौकी 20, तोरी 60, खीरा 60, करेला 80, शिमला मिर्च 100, गोभी 100, हरी मिर्च 70, हरा धनिया 300 और अदरक 150 रुपये किलो के भाव बिका। सब्जियों के भाव में अंतर होने से खरीदारी करने पहुंचे लोगों को जरूरत के मुताबिक बजट बनाना पड़ रहा है।

सब्जियों के भाव नियंत्रित रहना जरूरी

गृहणियों का कहना है कि कुछ सब्जियां महंगी होने से परेशानी बढ़ी है। हालांकि आलू और टमाटर के दाम कम और स्थिर रहने से कुछ राहत भी मिली है। उनका कहना है कि यदि आने वाले दिनों में सब्जियों के दाम और बढ़े तो घरेलू बजट पर इसका सीधा असर पड़ेगा। रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली सब्जियों के भाव नियंत्रित रहना जरूरी है।

धर्म परिवर्तन करने का आरोप

सुल्तानपुर। निहेंदपुर सुठारी गांव निवासी एक महिला ने अपने पति पर उसकी सहमति के बिना एक अन्य महिला को घर में रखने और उसका धर्म परिवर्तन कराने के प्रयास का आरोप लगाया है। पीड़िता ने इस मामले में पति के साथ–साथ ससुराल पक्ष के अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कराने की मांग की है।महिला ने सीओ लक्सर को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसके पति ने एक हिंदू महिला को अपने साथ घर में रखा हुआ है। आरोप है कि महिला का नाम बदलकर शबनूर रखा गया है और उसका धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास किया जा रहा है। पीड़िता का कहना है कि इस पूरे प्रकरण में उसके पति के परिवार के लोग भी सहयोग कर रहे हैं। पीड़िता के अनुसार, उसने 10 सितंबर को रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से सुल्तानपुर पुलिस चौकी को शिकायत भेजकर मामले से अवगत कराया था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने 14 सितंबर को सीओ लक्सर को शिकायती पत्र देकर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस संबंध में पुलिस क्षेत्राधिकारी लक्सर देवेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि महिला की शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच कराई जा रही है और जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

तालाब किनारे मिला मगरमच्छ

सुल्तानपुर। क्षेत्र के टांडा महतोली गांव के पास स्थित तालाब के किनारे मगरमच्छ दिखाई देने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। इसकी सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग को दी। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। वन क्षेत्राधिकारी लक्सर महेंद्र गिरी ने बताया कि टांडा महतोली गांव स्थित तालाब के किनारे मगरमच्छ होने की सूचना मिली थी। मगरमच्छ को रेस्क्यू कर आबादी से दूर सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया।

ढलानी में सड़क की बदहाली से बढ़ा हादसे का खतरा

विकासनगर। ग्राम पंचायत ढलानी में सड़क की बदहाल स्थिति ग्रामीणों के लिए गंभीर चिंता का कारण बनी हुई है। भूस्खलन के कारण सड़क का एक बड़ा हिस्सा धंस गया है, वहीं सड़क किनारे सुरक्षा के लिए लगाई गई रेलिंग भी क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इससे मार्ग पर हादसे का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों को मजबूरी में जोखिम उठाकर इसी मार्ग से आवागमन करना पड़ रहा है।

सड़क की स्थिति को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता सुनील रौछेला ने चिंता जताते हुए प्रशासन और संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि सड़क की हालत लगातार खराब होती जा रही है, लेकिन अभी तक समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं।

आपात स्थिति में बढ़ सकती है परेशानी

सुनील रौछेला ने कहा कि ढलानी क्षेत्र के ग्रामीणों के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि सड़क क्षतिग्रस्त होने के बावजूद आवागमन के लिए कोई उचित वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध नहीं है। यदि किसी ग्रामीण की अचानक तबीयत खराब हो जाए, कोई दुर्घटना हो जाए अथवा किसी मरीज को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की जरूरत पड़े तो ऐसी स्थिति में गंभीर परेशानी खड़ी हो सकती है। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान भूस्खलन की आशंका और बढ़ जाती है। सड़क का धंसा हुआ हिस्सा और क्षतिग्रस्त सुरक्षा रेलिंग वाहन चालकों तथा पैदल राहगीरों के लिए खतरा बनी हुई है। ऐसे में किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

बड़े हादसे के बाद जागेगा विभाग?

सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि संबंधित विभाग को सड़क की स्थिति की जानकारी होने के बावजूद अभी तक समस्या का प्रभावी समाधान नहीं किया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या विभाग किसी बड़े हादसे के बाद ही जागेगा? उन्होंने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मौके का निरीक्षण कराने की मांग की है।

सुरक्षा दीवार और रेलिंग दुरुस्त करने की मांग

उन्होंने क्षतिग्रस्त सड़क की तत्काल मरम्मत कराने के साथ–साथ सड़क के कमजोर हिस्से पर सुरक्षा दीवार का निर्माण कराने और टूटी हुई सुरक्षा रेलिंग को जल्द दुरुस्त करने की मांग की। उनका कहना है कि केवल सड़क की मरम्मत ही पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि भविष्य में भूस्खलन की स्थिति को देखते हुए मजबूत सुरक्षा उपाय भी किए जाने जरूरी हैं।

उन्होंने प्रशासन से मांग की कि जब तक सड़क की स्थायी मरम्मत पूरी नहीं होती, तब तक ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आपातकालीन आवागमन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी आपात स्थिति में मरीजों और ग्रामीणों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क उनके लिए आवागमन का महत्वपूर्ण साधन है। ऐसे में विभाग को बिना देरी किए मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेना चाहिए और जल्द से जल्द आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए।

ईडी की कार्रवाई पर हरीश रावत का पलटवार, बोले–आयोग बनाकर कार्यकाल की जांच करा लें

देहरादून। पीएस चंदन जीना के घर पर ईडी की कार्रवाई को लेकर पूर्व सीएम हरीश रावत ने पलटवार करते हुए कहा, मेरे 60 साल के राजनीतिक जीवन पर धब्बा लगाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने चुनौती दी कि आयोग बनाकर मेरे कार्यकाल की जांच करवा लें। मेरे कार्यकाल में जितनी भी सरकारी नियुक्तियां हुई हैं, उनमें कहीं पद का दुरुपयोग नहीं किया गया। हरीश रावत ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा मेरे तीन वर्ष के कार्यकाल में 42 हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों को नौकरी मिली और 18 हजार पदों की भर्ती का प्रस्ताव जारी किया गया था। हमारी सरकार ने ही अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और मेडिकल भर्ती बोर्ड का गठन किया। तीन साल के अंदर दो बार पब्लिक सर्विस कमीशन की भर्तियां कराईं। काम करते हुए कभी चूक हो जाती है, मुझसे भी एक चूक हुई कि मैंने अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष के पद की जो नियुक्ति की, वह उस पद की गरिमा का सम्मान नहीं रख सके। हमने जांच के लिए एसआईटी का गठन किया। परीक्षा निरस्त करने के लिए तीन सदस्यों की जांच कमेटी बनाई। आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति में चूक के लिए मैं क्षमा मांग रहा हूं।

नारसन ब्लॉक के गांवों में विजिलेंस और ऊर्जा निगम की टीम का विरोध

मंगलौर/नारसन। क्षेत्र के गांवों में चेकिंग के लिए पहुंची विद्युत विजिलेंस और ऊर्जा निगम की संयुक्त टीम को किसानों के कड़े विरोध के बाद बैरंग लौटना पड़ा। किसानों ने भारतीय किसान यूनियन टिकैत के बैनर तले गांवों के रास्तों को पूरी तरह बंद कर दिया था और टीम के खिलाफ नारेबाजी की। किसानों के भारी विरोध और तेवर को देख अधिकारियों के हाथ–पांव फूल गए। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। विजिलेंस और ऊर्जा निगम की टीम मंगलवार को ठसका, नारसन कलां और टिकोला कलां गांव में बिजली चेकिंग अभियान चलाने के लिए पहुंची थी। जैसे ही टीम इन गांवों के करीब पहुंची तो किसानों ने गांवों के सभी मुख्य रास्तों को बंद कर दिया। किसानों ने टीम को गांवों के भीतर घुसने तक नहीं दिया। गांवों के रास्तों पर किसानों की भीड़ इकट्ठा हो गई और उन्होंने ऊर्जा निगम और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू कर दी।

जाति प्रमाणपत्र भी जांच के घेरे में

देहरादून। एमबीबीएस दाखिले की काउंसलिंग में अब जाति प्रमाणपत्रों की वैधता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। नीट–यूजी काउंसलिंग के प्रथम चरण में सीट हासिल करने वाले आठ अभ्यर्थियों के एससी–एसटी प्रमाणपत्रों की भी शिकायतें मिली हैं। इसके बाद एचएनबी उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी आठ अभ्यर्थियों को मूल दस्तावेजों के साथ तलब किया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन मंगलवार को अभ्यर्थियों के मूल जाति प्रमाणपत्र समेत अन्य संबंधित दस्तावेजों की जांच करेगा। इसके बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि प्रमाणपत्र निर्धारित नियमों के अनुरूप हैं या नहीं। शिकायतों में अभ्यर्थियों के एससी–एसटी आरक्षण से संबंधित प्रमाण पत्रों की वैधता पर सवाल उठाए गए हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए विश्वविद्यालय ने दस्तावेजों का विस्तृत सत्यापन कराने का निर्णय लिया है। जांच के दौरान प्रमाणपत्र जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी, प्रमाणपत्र की वैधता और आरक्षण का लाभ लेने के लिए निर्धारित पात्रता समेत अन्य बिंदुओं की जांच की जाएगी। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. विजय जुयाल ने आठ अभ्यर्थियों को मूल दस्तावेजों के साथ बुलाए जाने की पुष्टि की।

कंपनी में फंदे से लटका मिला सुरक्षाकर्मी

भगवानपुर। लकेश्वरी औद्योगिक क्षेत्र स्थित सोफा बनाने वाली एक कंपनी में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब सुरक्षाकर्मी फांसी के फंदे पर झूलता मिला। सूचना मिलते ही भगवानपुर पुलिस मौके पर पहुंच और शव को फंदे से उतरवाया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए रुड़की सिविल अस्पताल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, रामखेड़ी, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश निवासी सौरभ राणा कंपनी में सुरक्षाकर्मी के रूप में तैनात था। बताया गया कि मंगलवार सुबह करीब नौ बजे वह कंपनी के मैदान में एक एंगल पर फंदे से लटका मिला। कर्मचारियों ने इसकी जानकारी कंपनी प्रबंधन को दी। मौके पर पहुंच पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी जुटाई। पुलिस प्रथम दृष्टया मामले को आत्महत्या से जोड़कर जांच कर रही है, हालांकि सुरक्षाकर्मी ने आत्महत्या की है या उसकी मौत के पीछे कोई अन्य कारण है, इसकी पुष्टि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

17 सितंबर से शुरू होगा स्वच्छता ही सेवा अभियान

देहरादून। शहरी निकायों में 17 सितंबर से स्वच्छता ही सेवा अभियान शुरू होगा। इस बार जनभागीदारी और सफाईमित्रों के कल्याण पर जोर रहेगा। पहले दिन घरों की सफाई करके शाम को हर घर में एक दीया जलाया जाएगा। निदेशक शहरी विकास विनोद गोस्वामी की अध्यक्षता में मंगलवार को राज्य के समस्त निकायों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की गई। इसमें राष्ट्रव्यापी स्वच्छता ही सेवा अभियान की रूपरेखा तय की गई। अभियान 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत की थीम पर चलाया जाएगा। आमजन से अपील की गई है कि 17 सितंबर को घरों की सफाई कर शाम को एक दीया जलाएं, जो स्वच्छता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक होगा। 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस पर पार्कों, स्मारकों, महापुरुषों की प्रतिमाओं और पर्यटन स्थलों पर विशेष सफाई अभियान चलेगा। एक अक्तूबर को एक दिन, एक घंटा, एक साथ पहल के तहत जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के नेतृत्व में राष्ट्रव्यापी श्रमदान होगा।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

भाजपा नेता मिथुन ने शुरू की 'बंगाल फुटबॉल एकेडमी' बनाने की पहल

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मिथुन चक्रवर्ती ने 'बंगाल फुटबॉल एकेडमी' बनाने की पहल फिर से शुरू की है, जिसकी कोशिश करीब 15 साल से जारी है। सोमवार को उन्होंने न्यू टाउन में पूर्व फुटबॉलर्स के साथ एकेडमी की योजना पर चर्चा की। मिथुन चक्रवर्ती की योजना प्रत्येक जिले से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लाना है। वह पहाड़ी इलाकों पर भी फोकस करेंगे। उनकी योजना शुरुआत में 60 फुटबॉलर्स के साथ एकेडमी शुरू करना है। इसके साथ ही दिग्गज अभिनेता मिथुन ने एकेडमी के वित्तीय योजना के बारे में भी बताया। मीडिया के साथ बातचीत में मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, 'बीते 15 वर्षों से कुछ हुआ नहीं, क्योंकि मैं शामिल था। मेरा नाम आते ही सब कुछ बैन कर दिया गया। कोई मैदान, कोई

फील्ड कुछ नहीं दिया गया... बोल के भी नहीं दिया। इसलिए 15 साल से ये ठप्प पड़ा हुआ था, लेकिन हम लोगों ने एक करोड़ रुपए जमा करके रखे हैं, जो अभी भी बैंक में हैं। अभी इस एकेडमी को चलाने के लिए, इसको ताकत देने के लिए और दो-तीन करोड़ रुपए मैं चंदे से जुटाउंगा, ताकि बंगाल फुटबॉल एकेडमी अच्छी तरह से चल सके। ' उन्होंने कहा, 'हम लोग अभी डिस्ट्रिक्ट में लोगों को भेजेंगे। सब जगह से अच्छे खिलाड़ियों को चुनेंगे।

हम 60 खिलाड़ियों को चुनेंगे, जिसमें से आदिवासी खिलाड़ियों पर मेरी ज्यादा नजर है। पहाड़ी इलाकों में, दार्जिलिंग, कालिम्पोंग ये सब जगह हिल्स एरिया में जो लड़के अच्छा खेलते हैं, उनके ऊपर मेरी ज्यादा नजर है। हमने चार-पांच ग्राउंड सोच रखे हैं। टेंडर के जरिए हमें जो मिलेगा, हम उसी में काम करेंगे। '

चेक गणराज्य फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर लुडेक मिकलोस्को का निधन

नई दिल्ली। वेस्ट हैम, क्यूपीआर और चेक गणराज्य फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर लुडेक मिकलोस्को का लंबी और गंभीर बीमारी से जूझने के बाद 64 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। मिकलोस्को वेस्ट हैम फुटबॉल क्लब के दिग्गज खिलाड़ी थे। उन्होंने इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब के लिए 300 से ज्यादा मैच खेले। 2021 में उन्हें कैंसर का पता चला था और दिसंबर 2024 में उन्होंने इलाज बंद कर दिया था। वेस्ट हैम ने मिकलोस्को को श्रद्धांजलि दी, जिन्हें 1990-91 में क्लब का 'हैमर ऑफ द ईयर' चुना गया था। वेस्ट हैम ने एक बयान में कहा, 'बहुत गहरे दुख के साथ वेस्ट हैम यूनाइटेड

दिग्गज पूर्व गोलकीपर और कोच लुडेक मिकलोस्को के निधन की घोषणा करता है। लुडेक, आप शांति से सोएं; आप हमारे प्यारे, प्रेरणादायक गोलकीपर और एक नेक और बड़े दिल वाले इंसान थे।' वहीं, उनके बेटे मार्टिन मिकलोस्को ने वेस्ट हैम के प्रति अपने पिता के प्यार का जिक्र किया। मार्टिन ने कहा, 'कैंसर से बहादुरी और हिम्मत के साथ लड़ने के बाद मेरे पिता लुडेक के निधन की खबर देते हुए हमारा दिल टूट गया है। डैड को वेस्ट हैम यूनाइटेड से बहुत प्यार था, और उन्हें खास तौर पर हर मैच में अपना नाम जोर-शोर और गर्व के साथ गाए जाते हुए सुनना बहुत पसंद था। क्लब और उसके प्रशंसक हमारे परिवार का हिस्सा थे और हमेशा रहेंगे, इसलिए आप सभी का दिल से शुक्रिया। '

संक्षिप्त समाचार

एटीपी रैंकिंग

जोकोविच सात पायदान नीचे खिसके, 24 साल बाद पहली बार 'टॉप 10' से 'बिग 3' नदारद

नई दिल्ली। यूएस ओपन के पहले ही राउंड में नोवाक जोकोविच को चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद सोमवार को जारी एटीपी रैंकिंग में वह 'टॉप 10 से बाहर होकर 12वें स्थान पर खिसक गए। जोकोविच को पहले ही राउंड में अर्जेंटीना के मारियानो नावोन के हाथों शिकस्त मिली थी। अक्टूबर 2002 के बाद ऐसा पहली बार

है, जब 'बिग थ्री' (जोकोविच, राफेल नडाल और रोजर फेडरर) में से कोई भी एटीपी रैंकिंग के 'टॉप-10' में शामिल नहीं है। 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता फेडरर ने साल 2022 में संन्यास लिया था, जबकि 22 बार के मेजर विजेता नडाल ने 2024 में खेल को अलविदा कह दिया था। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच 39 साल की उम्र में भी खेल रहे हैं और उन्हें अपने 25वें मेजर खिताब की उम्मीद है, जिससे वे मार्गरेट कोर्ट के 24 खिताबों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे। हालांकि, 25वें खिताब की उनकी हालिया कोशिश तब खत्म हो गई जब मारियानो नावोन के खिलाफ मैच के दौरान उन्हें शारीरिक परेशानी और उल्टी हुई। न्यूयॉर्क में हार के बाद जोकोविच ने कहा, 'मुझे अतीत की सभी उपलब्धियों पर बहुत गर्व है, लेकिन अब जो है, सो है। यह स्पष्ट था कि कोर्ट पर मुझे बहुत खराब महसूस हो रहा था।

विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी बनीं रिबाकिना, खत्म की सबालेंका की बादशाहत

नई दिल्ली। सोमवार को जारी साप्ताहिक डब्ल्यूटीए रैंकिंग में बेलारूस की एरीना सबालेंका से आगे निकलने के बाद एलेना रिबाकिना आधिकारिक तौर पर विश्व की नई नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। हाल ही में खत्म हुए यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में किनवेन झेंग को हराने के बाद ही रिबाकिना का टॉप स्पॉट पक्का हो गया था। कजाकिस्तान की स्टार खिलाड़ी ने फाइनल में सबालेंका को हराकर इस टूर्नामेंट का समापन किया। रिबाकिना सिंगल्स रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर 1 बनने वाली कजाकिस्तान की पहली (पुरुष या

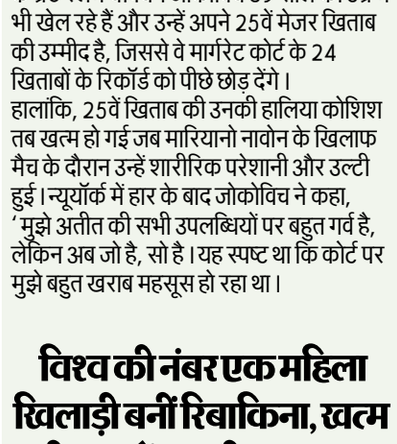

महिला) खिलाड़ी बन गई हैं। पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन के कारण वह सबालेंका के काफी करीब बनी रहीं, जबकि बेलारूसी टेनिस स्टार का फॉर्म सीजन के बीच में थोड़ा गिर गया था। जहां सीजन के बीच में सबालेंका की लय बिगड़ी, वहीं रिबाकिना पिछले साल के आखिर से ही टॉप पर पहुंचने की ओर बढ़ रही थीं। उन्होंने इस साल सीजन के बीच में नॉर्थ अमेरिकन हार्ड-कोर्ट स्विंग पर शानदार प्रदर्शन किया और उसके बाद 'बिग एप्पल' (न्यूयॉर्क) में भी सफलता हासिल की। नंबर 1 पोजीशन पक्का होने पर रिबाकिना ने प्रतिक्रिया दी थी। डब्ल्यूटीए के अनुसार, रिबाकिना ने कहा, 'यह इतिहास है, और मुझे कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं प्रोफेशनल बनूंगी या इतने बड़े मंचों पर इस तरह के टूर्नामेंट खेलूंगी।'

ज्वेरेव ने जीता यूएस ओपन

फाइनल में बेन शेल्टन को दी शिकस्त

न्यूयॉर्क । अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 के पुरुष सिंगल्स फाइनल में अमेरिकी बेन शेल्टन को 6-3, 7-6(2), 5-7, 6-2 से हराकर अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब और साल का दूसरा मेजर खिताब जीता। तीन घंटे 33 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद ज्वेरेव ने एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। अब वह सिनर से 700 अंक आगे हैं। यह रैंकिंग बताती है कि साल के अंत में एटीपी का नंबर एक खिलाड़ी कौन बनेगा। ज्वेरेव अपना छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल और इस साल का तीसरा फाइनल खेल रहे थे, जबकि शेल्टन अपने करियर में पहले कभी इस स्टेज तक नहीं पहुंचे थे। जर्मनी के स्टार खिलाड़ी ज्वेरेव इस साल शानदार फॉर्म में रहे हैं। मेजर टूर्नामेंट्स में उनका रिकॉर्ड 25 जीत और सिर्फ 2 हार का रहा है। उन्होंने इस साल केवल दो खिताब जीते हैं, लेकिन दोनों ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियां हैं। इसी वजह से वे साल के अंत में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी बनने की दौड़ में मजबूती से बने हुए हैं। अपनी जीत के बाद ज्वेरेव ने अपनी मां को खास तौर पर याद किया और बताया कि ग्रैंड स्लैम न जीत पाना उनके सामने आई सबसे बड़ी मुश्किल नहीं थी। ज्वेरेव ने कहा, 'जब आपके 4 साल के बेटे को डायबिटीज का पता चलता है और डॉक्टर आपको बताते हैं कि उस बच्चे की जिंदगी और खेल बहुत सीमित हो जाएंगे, तो उन डॉक्टरों के केबिन से बाहर निकलकर यह कहना कि 'मेरा बेटा जो चाहेगा, वही बनेगा' – इसके लिए एक बहुत ही मजबूत मां की जरूरत होती है। '

उन्होंने आगे कहा, 'अगर वह टेनिस खिलाड़ी बनना चाहता है, तो वह टेनिस खिलाड़ी बनेगा। अगर वह कुछ और करना चाहता है, तो वह कुछ और करेगा। मगर यह बीमारी हमारी पहचान तय नहीं करेगी। मुझे खुशी है कि हमने इससे मिलकर मुकाबला किया, और हम अभी जो कुछ भी कर रहे हैं, वह कर पा रहे हैं। '

शेल्टन 23 साल पहले यूएस ओपन में एंडी रॉडिक के बाद मेजर खिताब जीतने वाले पहले अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, वह नंबर 1 सीड खिलाड़ी को नहीं हरा पाए। यह अमेरिकी खिलाड़ी 1975 में आर्थर ऐश के बाद इस स्तर पर जीत हासिल करने वाले दूसरे अफ्रीकी-अमेरिकी पुरुष बनने की कोशिश कर रहे थे। अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में हार के बावजूद 23 वर्षीय शेल्टन का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज को हराया था। इस शानदार अभियान के दम पर वह एटीपी रैंकिंग में अपने करियर की सबसे बेहतरीन चौथी रैंकिंग पर पहुंच जाएंगे।

धीरज बोम्मादेवरा ने रचा इतिहास

तीरंदाजी विश्व कप फाइनल जीतने वाले बने पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी

साल्टिलो (मेक्सिको) । जयंत तालुकदार के विश्व कप फाइनल में पदक जीतने के 16 साल बाद भारत को पुरुष रिकर्व वर्ग में फिर से बड़ी सफलता मिली है। धीरज बोम्मादेवरा ने बेहद दबाव भरे शूट-ऑफ में शानदार संयम दिखाते हुए जीत हासिल की। इसके साथ ही वह तीरंदाजी विश्व कप फाइनल का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए हैं। दुनिया के नंबर 10 तीरंदाज और सेना के 25 वर्षीय खिलाड़ी धीरज ने साल्टिलो में हुए रोमांचक फाइनल में जापान के नाकानिशी जुन्या को 6-5 से हराया। पांच सेट के बाद मुकाबला 5-5 से बराबरी पर था, जिसके बाद शूट-ऑफ में धीरज ने 10 का स्कोर किया, जबकि नाकानिशी ने 9 का स्कोर किया और धीरज ने गोल्ड मेडल अपने नाम करने में सफल रहे।

यह सफलता धीरज के लिए और भी खास रही, क्योंकि पिछले दो तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में वह पदक नहीं जीत पाए थे। 2023 और 2024 में उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा था। हालांकि, इस बार उन्होंने नॉकआउट मुकाबलों में शानदार खेल दिखाया और फाइनल में दुनिया के 20वें नंबर के तीरंदाज नाकानिशी का सामना किया।

फाइनल में कोई भी तीरंदाज हार मानने को तैयार नहीं था। पांच सेटों में स्कोर 28-28, 28-29, 29-28, 28-30 और 28-27 रहा, जिससे गोल्ड मेडल का फैसला बहुत कम अंतर से हुआ। धीरज की जीत ने इस प्रतिष्ठित सीजन-एंडिंग इवेंट में भारत का रिकॉर्ड भी बदल दिया। तालुकदार ने पहले 2010 में एडिनबर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था, लेकिन टूर्नामेंट की शुरुआत से अब तक कोई भी भारतीय पुरुष गोल्ड मेडल नहीं जीत पाया था।

भारत की एकमात्र अन्य व्यक्तिगत विश्व कप फाइनल चैंपियन डोला बनर्जी हैं, जिन्होंने 2007 में दुबई में महिलाओं का खिताब जीता था।

खिताबी जीत के बाद क्रांति गौड़ पर आईसीसी ने लगाया जुर्माना

दुबई। भारत ने रविवार को श्रीलंका के खिलाफ विमेंस एशिया कप 2026 का फाइनल 72 रन से अपने नाम किया, लेकिन इस जीत के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए भारतीय तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने सोमवार को बताया कि क्रांति गौड़ ने खिलाड़ियों की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन किया है, जिसमें ऐसी भाषा, हरकत या इशारे शामिल हैं जो किसी बल्लेबाज के आउट होने पर उनका अपमान करते हैं या आक्रामक प्रतिक्रिया भड़का सकते हैं। यह घटना श्रीलंका की पारी के शुरुआती ओवर की है, जब क्रांति ने ओपनर इमेशा दुलानी को बोल्ड करने के बाद पवेलियन की ओर इशारा किया। मैच फीस में कटौती के अलावा, क्रांति के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ा गया। यह 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था।

क्रांति पर यह आरोप ऑन-फील्ड अंपायर सलीमा इम्तियाज और शथिरा जाकिर जेसी ने आरोप लगाए थे। इसमें थर्ड अंपायर रोकेया सुल्ताना और चौथे अंपायर हुमैरा फराह भी शामिल थीं, जिसके बाद आईसीसी इंटरनेशनल पैनल की मैच रेफरी सुप्रिया रानी दास ने यह सजा दी।

क्रांति ने आरोप स्वीकारते करते हुए सजा मान ली, जिससे औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। आईसीसी के नियमों के तहत, लेवल 1 के अपराधों के लिए खिलाड़ी की मैच फीस का अधिकतम 50 प्रतिशत जुर्माना और दो तक डिमेरिट प्वाइंट्स दिए जा सकते हैं।

एक अलग फैसले में, शुक्रवार को श्रीलंका के हाथों सेमीफाइनल में हार के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखने के लिए पाकिस्तान पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया, क्योंकि समय की छूट को ध्यान में रखने के बाद भी वे अपने लक्ष्य से एक ओवर पीछे पाए गए। आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत, अगर कोई टीम तय समय में अपने ओवर पूरे नहीं कर पाती, तो खिलाड़ियों की मैच फीस का 5 प्रतिशत हिस्सा हर ओवर के लिए काट लिया जाता है। पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने अपनी गलती मानते हुए सजा स्वीकार कर ली है।

विमेंस एशिया कप के साथ भारत ने 'एशियन गेम्स' के लिए भी बेहतरीन तैयारी की: देवजीत सैकिया

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने रविवार को दुबई में खेले गए 'विमेंस एशिया कप 2026' के फाइनल में श्रीलंका को 72 रन से रौंदकर रिकॉर्ड 8वीं बार खिताब जीता। 'विमेन इन ब्लू' के प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष देवजीत सैकिया बहुत खुश हैं। उनका मानना है कि इस टूर्नामेंट के साथ भारत ने एशियन गेम्स की शानदार तैयारी की है। सैकिया ने सोमवार को पत्रकारों से कहा, 'भारतीय महिला टीम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत के सभी मैच एकतरफा रहे हैं। एशिया कप के साथ भारतीय टीम ने एशियन गेम्स 2026 के लिए भी बेहतरीन तैयारी की है। मैं टीम और सपोर्ट स्टाफ को बधाई देता हूं। हमारी यही कोशिश रहेगी कि जीत के इस सिलसिले को जापान (एशियन गेम्स) तक ले जाएं।' सैकिया ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सफलता का श्रेय बोर्ड के पूर्व सचिव जय शाह को देते हुए कहा, 'जय शाह ने महिला क्रिकेट को बढ़ावा दिया है।